



महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

वर्ष : 17 अंक : 106

न्यूज ब्रीफ

हरिद्वार अर्धकुंभ में लगेगे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक थीम वाले भव्य स्वागत द्वार, सीसीटीवी कैमरों से होंगे लेस



हरिद्वार/ जीएनएस। अर्धकुंभ में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं का स्वागत आध्यात्मिक और सांस्कृतिक थीम वाले द्वारों से किया जाएगा। मेला प्राधिकरण ने इसके लिए एजेंसी चयन प्रक्रिया शुरू कर दी है। चर्यानिर्त एजेंसी प्रमुख राजमार्गों के प्रवेश बिंदुओं और मेला क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर त्रिआयामी (थ्रीडी) स्वागत द्वार लगाएगी। ये द्वार सिर्फ सजावटी बैनर या साधारण हॉर्डिंग नहीं होंगे। इन्हें स्टील फ्रेमवर्क पर आधारित मजबूत संरचना के रूप में तैयार किया जाएगा, जिसमें थीम आधारित सजावट, रोशनी और सीसीटीवी कैमरे लगाने का प्रविधान भी रहेगा।श्रद्धालुओं को व्यवस्थित स्वागत, मार्गदर्शन और सांस्कृतिक अनुभव देने के लिए प्रवेश बिंदुओं पर आकर्षक और सुरक्षित द्वार मेले की पहचान मजबूत करेंगे। यात्रियों को सही दिशा देंगे और धार्मिक माहौल को और गहरा बनाएंगे। रात के समय रोशनी और बैकअप बिजली व्यवस्था से सुरक्षा बढेगी। इनमें लगे सीसीटीवी कैमरे भीड़ प्रबंधन में मदद करेंगे। दूर से आने वाले यात्री इन भव्य द्वारों से मेले में प्रवेश करते ही आध्यात्मिक वातावरण महसूस करेंगे। थीम आधारित डिजाइन उन्हें गंगा, शिवलिंग, समुद्र मंथन जैसी कथाओं से जोड़ेंगे।एजेंसी को वर्क आउट मिलने के 30 दिनों के अंदर सभी द्वार तैयार और चालू करने होंगे। साइट सर्वे, डिजाइन मंजूरी, निर्माण, स्थापना और रोशनी का काम इसी अवधि में पूरा करना होगा। मेला अवधि के दौरान नियमित रखरखाव, सफाई, मरम्मत और सुरक्षा एजेंसी की जिम्मेदारी होगी। बिजली खर्च, बैकअप सिस्टम और कर्मचारियों का खर्च भी उसी में शामिल रहेगा। मेला खत्म होने के 15 दिनों के अंदर द्वार हटाकर जगह बहाल करनी होगी। संरचना की स्थिरता के लिए तीसरे पक्ष की एजेंसी या आईआईटी रुड़की जैसी संस्था से प्रमाणपत्र लेना अनिवार्य होगा। हवा के दबाव और स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखकर डिजाइन तैयार होगा।

गया में 22200 एकड़ में बनेगी सैटेलाइट टाउनशिप, जमीन खरीद-बिक्री पर लगी रोक हटी



पटना/ जीएनएस। गया में प्रस्तावित माथ ग्रोइनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप को विकास योजना-2047 के प्रारूप पर अब आम लोग और हितधारक अपनी आपत्ति व सुझाव दे सकेंगे। नगर विकास एवं आवास विभाग ने प्रारूप को अधिसूचित करते हुए गजट में प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों तक सुझाव लेने का निर्णय लिया है। सुझाव अपर सचिव, नगर विकास एवं आवास विभाग को डाक, कूरियर या ई-मेल, आयुक्त मगध प्रमंडल, सह अध्यक्ष जिला आयोजना क्षेत्र प्राधिकार गया जी को भेज सकेंगे। यहीं नहीं सरकार ने टाउनशिप के विशेष क्षेत्र में जमीन खरीद-बिक्री, हस्तांतरण पर 29 जुलाई से लगी रोक भी हटा दी है। नगर विकास एवं आवास विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। आदेश के मुताबिक बिहार शहरी आयोजना तथा विकास बोर्ड की आठ सितंबर को हुई 15वीं बैठक में विकास आयुक्त सह अध्यक्ष की अध्यक्षता में इस प्रारूप को सार्वजनिक करने की अनुशंसा की गई थी। प्रस्तावित टाउनशिप का विशेष क्षेत्र करीब 22,200 एकड़ में होगा। इसमें गया जी, बोधगया और परैया प्रखंड के 54 राजस्व गांव शामिल होंगे। इसके अलावा गया जी और बोधगया योजना क्षेत्र में आने वाले शहरी क्षेत्रों के हिस्सों को भी इसमें शामिल किया गया है। टाउनशिप का कोर क्षेत्र करीब 1,629 एकड़ का होगा, जिसमें 13 राजस्व गांव शामिल हैं। योजना में आवासीय क्षेत्र के साथ केंद्रीय व्यावसायिक क्षेत्र, बाजार, संस्थान, अस्पताल, शिक्षण संस्थान, मनोरंजन स्थल और सेवा क्षेत्र विकसित करने का प्रस्ताव है। इसका उद्देश्य भविष्य के शहरी विस्तार को व्यवस्थित करना और एक आत्मनिर्भर शहरी केंद्र तैयार करना है।

शक्ति की सप्तधारा से विकसित भारत का निर्माण, पीएम मोदी ने सेवा संकल्प यात्रा के युवाओं से किया संवाद

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुवागुर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सेवा संकल्प यात्रा के प्रतिभागियों के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने विकसित भारत 204 से लेकर युवाओं तक, कई अहम मुद्दों पर बातचीत की। बता दें कि सेवा संकल्प यात्रा प्रधानमंत्री के जन्मस्थान वडनगर से शुरू होकर उनके सांसदी क्षेत्र वाराणसी तक पहुंच रही है। इसी बात को मद्देनजर रखते हुए पीएम मोदी ने युवाओं को सेवा कार्यों की सराहना की और विकसित भारत 2047 के संकल्प में युवाओं की भूमिका पर जोर दिया।



शक्ति की सप्तधारा का किया जिक्र- संवाद के दौरान पीएम मोदी ने शक्ति की सप्तधारा से विकसित भारत के निर्माण पर जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि आप सभी को एक और काम करना है। इस वर्ष लाल किले से शक्ति की जिन सप्तधाराओं की चर्चा मैंने की है, उनके विषय में भी आपको लोगों से बात करनी है। पीएम मोदी ने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग की धारा,

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

ह की

शुक्रवार की रात निकलेंगी झिलमिलाती नयनाभिराम झाकियां

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर की गौरवशाली परम्परा के अनुसार इस वर्ष भी अनन्त चतुर्दशी के अवसर पर आज 25 एवं 26 सितम्बर की दरमियानी रात को शहर के विभिन्न भागों से झिलमिलाती नयनाभिराम झाकियां निकलेंगी। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा प्रशासनिक और अन्य जरूरी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। इस वर्ष भी खजुराना गणेश मंदिर, इंदौर विकास प्राधिकरण, होप टेक्सटाईल (भण्डारी) मिल, नगर निगम, कल्याण मिल, स्मृतनिक ट्यूटोरियल एकेडमी और मालवा मिल, स्वदेशी मिल, राजकुमार मिल तथा हुकमचंद मिल सहित अन्य संस्थाओं की झाकियां निकलेंगी। एक संस्थान की दो या तीन झाकियां रहेगी जो आकर्षक विद्युत सज्जा के साथ स्वचलित होंगी। झाकियों के साथ अखाड़े भी रहेंगे।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने बताया कि चल समारोह के महेनजर शहर में कानून

दतुनी पहाड़ी पर 25 हजार पौधों के रोपण से वृक्षारोपण महाअभियान का शुभारंभ, अब कहलाएगी ‘ऋषि पहाड़ी’



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देव गुग्राडिया स्थित दतुनी पहाड़ी पर गुरुवार को 25 हजार पौधों के रोपण के साथ वृक्षारोपण महाअभियान का शुभारंभ किया गया। नमरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और दादा गुरु महाराज की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और आमजन ने पौधारोपण किया। इस अवसर पर मंत्री विजयवर्गीय ने दतुनी पहाड़ी का नाम बदलकर ‘ऋषि पहाड़ी’ करने की घोषणा की।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मान्यता के अनुसार दतुनी पहाड़ी पर पहला पौधा एक ऋषि ने रोपा था, इसलिए आज से इस पहाड़ी को ऋषि पहाड़ी के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति की अनमोल सौगात है। पेड़ लगाने के बाद उनका संरक्षण और पालन-पोषण भी उतनी ही जिम्मेदारी से किया जाना चाहिए, जिस तरह एक मां अपने बच्चों की देखभाल करती है। विजयवर्गीय ने कहा कि इस पहाड़ी पर करीब 70 हजार गड्डे पौधारोपण के लिए तैयार किए गए हैं। वन विभाग द्वारा पहले लगाए गए 24 हजार पौधे जीवित हैं और अब 25 हजार नए पौधे लगाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि लगाए जा रहे पौधे करीब पांच फीट ऊंचे हैं और वंशीयण भारत के विभिन्न क्षेत्रों से लाए गए हैं। इन पौधों के संरक्षण और सिंचाई के लिए भी व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि वृक्ष आने वाली पीढ़ियों के लिए आँकसीजन जोन तैयार करने का माध्यम है। मनुष्य के चले जाने के बाद भी ये पेड़ लंबे समय तक जीवित रहकर कई पीढ़ियों को लाभ पहुंचाएंगे। उन्होंने लोगों से पौधों की सुरक्षा और देखभाल करने की अपील करते हुए कहा कि वृक्षारोपण केवल पौधा लगाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उसे बड़ा करने की जिम्मेदारी भी निभानी होगी। कार्यक्रम में दादा गुरु महाराज ने कहा कि गणेशोत्सव के अवसर पर वृक्षारोपण रूपी महायज्ञ किया जा रहा है।

वाहन चोरी के खिलाफ हीरानगर पुलिस की कार्रवाई, तीन आरोपी गिरफ्तार



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना हीरानगर पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान सौदिध गतिविधि में शामिल तीन युवकों को पकड़कर उनके कब्जे से चोरी की गई बोलेरो पिकअप वाहन बरामद की है। बरामद वाहन की अनुमानित कीमत करीब 6 लाख 50 हजार रुपये बताई गई है।

जनकारी के अनुसार 23 सितंबर 2026 की रात थाना हीरानगर का गश्ती दल क्षेत्र में भ्रमण कर रहा था। इसी दौरान पुलिसकर्मियों ने तीन सौदिध युवकों को बोलेरो पिकअप वाहन ले जाते हुए देखा। पुलिस ने वाहन को रोकने का प्रयास किया तो आरोपी भागने लगे। गश्ती दल ने घेराबंदी कर तीनों को पकड़ लिया। पूछताछ और जांच के दौरान वाहन चोरी का होने की जानकारी सामने

व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। साथ ही साफ-सफाई, प्रकाश और पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था भी की गयी है। जुलूस मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था संबंधी निगरानी के लिये वाच टावर बनाये गये हैं। इन वाच टावर्स पर चिकित्सकों को भी तैनात किया गया है। साथ ही प्रमुख स्थानों पर मय चिकित्सक के एम्बुलेंस भी तैनात की गयी हैं। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी लगातार निगरानी की जायेगी। चल समारोह में शराब पीकर आने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। इसके लिए पुलिस द्वारा बोथ एनेलाइजर के माध्यम से जांच की जायेगी।

झाकियों का क्रम- 1.खजराना गणेश मंदिर, 2. श्री शास्त्री कानर नवयुक् मण्डल छोटा गणपति मंदिर मल्हारगंज, 3. इंदौर विकास प्राधिकरण, 4. नगर निगम, 5. होप टेक्सटाईल (भण्डारी मिल), 6. कल्याण मिल, 7. मालवा मिल, 8. हुकुचंद मिल, 9. स्वदेशी मिल, 10. राजकुमार मिल, 11. स्मृतनिक ट्यूटोरियल एकेडमी।

24 घंटे में ड्रस के सौदागरों पर लसूडिया पुलिस का दोहरा प्रहार, 6 आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के लसूडिया थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ 24 घंटे के भीतर दो अलग-अलग कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 64.85 ग्राम सख ड्रस बरामद की है। कार्रवाई में दो महिलाएं भी शामिल हैं। वहीं, पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों में एक युवक ऐसा भी है, जिसका चार दिन बाद इंदौर में निकाह होना था और पैसों की जरूरत के चलते वह सख की तस्करी में शामिल हुआ।

पुलिस के मुताबिक पहली कार्रवाई 21 सितंबर 2026 को प्रभात गश्त के दौरान महालक्ष्मी नगर स्थित एक फ्लैट में की गई। पुलिस टीम को फ्लैट से लड़के-लड़कियों के चिह्नों की आवाज सुनाई दी। सदेह के आधार पर पुलिस ने फ्लैट की जांच की, जहां एक युवक और दो महिलाएं मौजूद मिलीं। पुलिस को देखकर घबराने पर उनकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान 9.17 ग्राम सख ड्रस बरामद हुईं।

इस मामले में हर्ष शर्मा उम्र 40 वर्ष निवासी वैभव नगर, रुपाली रावल उम्र 25 वर्ष निवासी सूरज नगर और रानी कौशल उम्र 33 वर्ष निवासी चंद्र नगर, इंदौर को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के खिलाफ थाना



लसूडिया में अपराध क्रमांक 1459/2026 के तहत धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि फ्लैट को ढ़ढढढढढ के माध्यम से पार्टी के लिए बुक किया गया था। पुलिस फ्लैट मालिक के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है और सख के स्रोत सहित अन्य संभावित सहयोगियों के बारे में पूछताछ की जा रही है।

दूसरी कार्रवाई 21 सितंबर की रात निरंजनपुर सब्जी मंडी परिसर में की गई। पुलिस ने सौदिध गतिविधियों के आधार पर शहजाद चौधरी और मो. सद्दाम को हिरासत में लेकर उनकी तलाशी ली। दोनों के कब्जे से कुल 55.68 ग्राम सख ड्रस बरामद हुईं। पुलिस

जिसमें 50 इंटरसिटी और 95 इंट्रासिटी, भोपाल में 106 बसें जिसमें 23 इंटरसिटी और 83 इंट्रासिटी, जबलपुर के लिए 67 बसें जिसमें 14 इंटरसिटी और 53 इंट्रासिटी, रीवा में 18 इंटरसिटी बसें, देवास में 10 इंटरसिटी बसें, कटनी में 3 और भिंड में 2 इंटरसिटी बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा।

हर साल बढ़ाई जाएंगी 2,500 से 3,000 बसें- मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा अंतर्गत वर्ष 2031 तक प्रदेश में 15 हजार बसें संचालित करने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि पहले वर्ष यह लक्ष्य 1,500 बसों के संचालन का होगा। इसके बाद प्रतिवर्ष लगभग 2,500 से 3,000 बसें बढ़ाई जाएंगी।

पीपीपी मॉडल पर होगा बसों का संचालन- मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा अंतर्गत पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल को बढ़ावा दिया जाएगा। ये बसें आधुनिक सुविधाओं से युक्त होंगी और सुरक्षा की दृष्टि से अनुकूल रहेंगी। जन-निजी भागीदारी को गति देने के लिए पारदर्शी अनुबंध प्रणाली और प्रोत्साहन योजनाएं लागू की जाएंगी। इस मॉडल अंतर्गत निजी बस ऑपरेटरों को विज्ञापन एवं कार्गो सेवाओं जैसे नॉन-फेयर रेवेन्यू से आय बढ़ाने के साथ ही आधुनिक डिपो और टर्मिनल सुविधाओं का उपयोग करने के अवसर मिलेंगे। बस संचालन को प्रभावी और सुचारु बनाने

को चल समारोह में सम्मिलित नहीं किया जायेगा। यदि किसी झांकी की विद्युत व्यवस्था या किसी अन्य अवरोध के कारण आगे बढ़ने में कठिनाई होती है तो वह अपनी झांकी एवं अखाड़े को एक तरफ रोककर पीछे से आने वाली झांकी को आगे निकलने देंगी।

स्वागत मंच-नवीन स्वागत मंचों की अनुमति नहीं दी गई है। केवल उन्हीं मंचों को अनुमति दी गई है जो परम्परागत रूप से लगाये जाते रहे हैं। स्वागत मंचों की अनुमति नगर पुलिस अधीक्षक द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में परम्परागत लगाये जाने वाले मंचों को ही परीक्षण उपरांत दी गई है। एक स्वागत मंच पर दो से अधिक स्पीकर लगाने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

अखाड़ों की व्यवस्था- अखाड़ों के उस्तादों से कहा गया है कि वे झांकी निकलने के पूर्व अर्थात् शाम 5 बजे तक अपने-अपने निर्धारित स्थल पर पहुँच जाएं। अखाड़ों में शराब आदि नशा करके चलना प्रतिबंधित है। साथ ही तेज धारदार संचातिक हथियार लेकर

ने घटना में प्रयुक्त बिना नंबर की बजाज पल्सर मोटरसाइकिल भी जब्त की है, जिसकी कीमत करीब एक लाख रुपये बताई गई है।

इस मामले में थाना लसूडिया में अपराध क्रमांक 1465/2026 के तहत धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया

गया। गिरफ्तार शहजाद चौधरी उम्र 38 वर्ष निवासी मालवीय नगर और मो. सद्दाम उम्र 34 वर्ष निवासी कृष्ण बाग कॉलोनी, इंदौर से पूछताछ में सख ड्रस की सप्लाई के संबंध में शेख अनस निवासी डा, जिला झालावाड़, राजस्थान का नाम सामने आया।

पुलिस ने तकनीकी और साइबर इनपुट के आधार पर शेख अनस की तलाश की और 23 सितंबर को उसे जिला कोटा से अभिरक्षा में लिया। पूछताछ में शेख अनस ने सख की तस्करी में शामिल होने की बात स्वीकार की। पुलिस के अनुसार पूछताछ में उसने बताया कि चार दिन बाद उसका इंदौर में निकाह होना था और पैसों की जरूरत के चलते वह कथित तौर पर सख की तस्करी में शामिल हुआ।

पुलिस अब सभी आरोपियों से ड्रस के

चलना भी प्रतिबंधित है। मिट्टी के तेल को मुंह में भरकर आग उड़ाना एवं अन्य खतरनाक किस्म के करतब भी प्रतिबंधित है। अखाड़ों के व्यक्तियों द्वारा दण्डाधिकारी का आदेश नहीं मानने पर उसे तुरंत जुलूस से अलग कर बाद में उसका लाइसेंस भी रद्द किया जा सकता है। अखाड़ों में धारदार एवं संचातिक किस्म के हथियार को लेकर चलना पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। अखाड़ों के उस्तादों को प्रतीक के रूप में मात्र एक तलवार म्यान में रखकर चलने की अनुमति रहेगी। प्रत्येक अखाड़े के सदस्य स्वागत मंच पर एक मिनिट तथा निर्णायक मंच पर तीन मिनिट तक करतब दिखायेंगे। यदि झांकियों के बीच में गैप होे तो ड्यूटी पर उपस्थित पुलिस अधिकारियों द्वारा अखाड़ों को आगे बढ़ाने संबंधी दिये गये निर्देशों का अखाड़ों द्वारा पालन किया जायेगा। प्रत्येक अखाड़े के सदस्यों की ड्रेस (वेशभूषा) एक जैसी रहेगी तथा अखाड़े की ओर से प्रत्येक सदस्य को बैजेस दिए जायेंगे।

खोत, सप्लाई चैन और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ कर रही है। दोनों मामलों में गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश कर पुलिस रिमांड लिया गया है।

पुलिस के अनुसार रुपाली रावल के खिलाफ पूर्व में खजराना, कनाडिया और लसूडिया थाने में आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। वहीं शहजाद चौधरी के खिलाफ लसूडिया और एमआईजी थाने में पूर्व के मामले दर्ज बताए गए हैं। मो. सद्दाम के खिलाफ भी खजराना थाने में पूर्व का प्रकरण दर्ज है।

इंदौर पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मयंक अवस्थी, पुलिस उपायुक्त जौन-2 अमन सिंह राठौर, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेंद्र सिंह और सहायक पुलिस आयुक्त विजय नगर पराग सैनी के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई।

पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी लसूडिया निरीक्षक राजकुमार यादव, उप निरीक्षक शैलेन्द्र सिंह ठाकुर, उप निरीक्षक निधि मिलत, उप निरीक्षक संजय धुवें सहित पुलिस टीम और साइबर सेल के कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री शिवम वर्मा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जन सामान्य के स्वास्थ्य के हित एवं लोक शांति बनाये रखने हेतु इन्दौर जिले की राजस्व सीमा में आगामी धार्मिक त्यौहारों के जुलूस एवं विविध सार्वजनिक आयोजनों को ध्यान में रखते हुए गिल्टर/कन्फेडी/माईनर के उपयोग को प्रतिबंधित किया है। यह आदेश 22 नवम्बर 2026 तक प्रभावशाली रहेगा। आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध भारतीय न्याय संहित 2023 की धारा- 223 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा कार्यालय पर श्री गणेश को अर्पित किया 56 भोग, महिला मोर्चा ने की महाआरती



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा कार्यालय पर विराजमान भगवान श्री गणेश की महिला मोर्चा द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर महाआरती की गई और बप्पा को 56 भोग अर्पित किया गया। इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं इंदौर संभाग प्रभारी वंदना मंडारे तथा महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष श्रेष्ठा जोशी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष श्रेष्ठा जोशी ने बताया कि भाजपा कार्यालय पर स्थापित श्री गणेश जी का वादस्थ की उपस्थिति में मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजन किया गया। पूजन के बाद महाआरती का आयोजन हुआ और भगवान श्री गणेश की विभिन्न प्रकार के व्यंजनों से सुसज्जित 56 भोग अर्पित किए गए। महाआरती के दौरान पूरा भाजपा कार्यालय परिसर गणपति बप्पा के जयकारों से गुंज उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। विशेष बात यह रही कि महिला मोर्चा की कार्यकर्ता अपने-अपने घरों से विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाकर लाई थीं, जिन्हें 56 भोग में शामिल कर भगवान गणेश को अर्पित किया गया। इस अवसर पर ममता बिरथरे, लीना बाहेली, विमला मनागे, मुरली शर्मा, नारायणी बरेठ, सोनिका केजरीवाल सहित महिला मोर्चा की अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

रेन वॉटर हार्वेस्टिंग नहीं लगाने पर नगर निगम की सख्ती, पांच परिसरों पर 50 हजार का जुर्माना

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संरक्षण को बढ़ावा देने और भू-जल स्तर में सुधार के उद्देश्य से इंदौर नगर निगम ने रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को लेकर कार्रवाई तेज कर दी है। निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देश पर शहर में भवनों और परिसरों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग व्यवस्था की स्थिति जांचने के लिए लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में जोन क्रमांक 22 के वाई क्रमांक 31 में पांच परिसरों पर कार्रवाई करते हुए कुल 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। जोनल अधिकारी आनंद रेवास ने बताया कि उन्नेक नेतृत्व में उपयंत्री और मुख्य स्वच्छता निरीक्षक की संयुक्त टीम ने विभिन्न आवासीय और व्यावसायिक परिसरों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान पांच भवनों और संस्थानों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित नहीं पाया गया। नियमों का पालन नहीं करने पर संबंधित भवन स्वामियों और संस्थानों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। सी-3 हॉस्पिटल परिसर में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था नहीं मिलने पर मोहन के विरुद्ध 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया, जिसकी मौके पर ही वसूली की गई।

विधि-विधान से होगा श्री गणेश प्रतिमाओं का ससम्मान विजर्जन, 25 से 26 सितंबर तक जवाहर टेकरी पर व्यवस्था

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर श्री गणेश प्रतिमाओं के ससम्मान और पर्यावरण हितैषी विसर्जन के लिए इंदौर नगर निगम ने व्यापक व्यवस्थाएं की हैं। प्रभारी महापौर राजेंद्र राठौर और निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशन में 25 सितंबर के 26 सितंबर तक धार रोड स्थित जवाहर टेकरी गिड्डी खदान में वर्षाकाल के दौरान एकत्रित वर्षाजल में गणेश प्रतिमाओं का विधि-विधान से विसर्जन किया जाएगा। विसर्जन की प्रक्रिया 25 सितंबर को दोपहर 12 बजे से शुरू होगी। सामान्य प्रशासन प्रभारी एवं श्री गणेश उत्सव समिति अध्यक्ष नंदकिशोर पहाड़िया ने बताया कि इंदौर की परंपरा के अनुरूप 25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी पर शहर के मध्य क्षेत्र में भव्य गणेश विसर्जन कर समारोह निकाला जाएगा। चल समारोह और झांकी मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखने के लिए 400 से अधिक सीसीटीवी कैमरे और दो ड्रोन कैमरों से निगरानी की जाएगी। झांकी मार्ग पर विशेष प्रकाश व्यवस्था भी की गई है। निगम द्वारा मार्ग पर 5,500 से अधिक हैलोजन और 1,700 से अधिक मेटल लाइट लगाई गई हैं, जिससे पूरा झांकी मार्ग रोशनी से जगमगाएगा। सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म से होगा प्रतिमाओं का विसर्जन- जलकानों प्रभारी अभिषेक शर्मा ‘बबलू’ ने बताया कि नगर निगम द्वारा शहर के 100 से अधिक स्थानों से श्री गणेश प्रतिमाओं का एकत्रीकरण किया जाएगा। निगम वर्कशॉप में तैयार किए गए हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म की नई तकनीक के माध्यम से प्रतिमाओं का सुरक्षित, व्यवस्थित और ससम्मान विसर्जन किया जाएगा।

इसके साथ ही शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पर्यावरण हितैषी विसर्जन कुड्रे भी बनाए गए हैं। इन कुड्रे में नागरिक माटी से निर्मित गणेश प्रतिमाओं का स्वयं अपने हाथों से विसर्जन कर सकेंगे। इस व्यवस्था का उद्देश्य धार्मिक परंपराओं के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा देना है।



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और वाहन चालकों को जाम से राहत दिलाने के लिए नगर निगम ने सड़क एवं चौराहा विकास कार्यों को गति देने की तैयारी की है। निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने गुववार सुबह शहर के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर मास्टर प्लान सड़कों, चौराहों के विकास और लेफ्ट टर्न चौड़ीकरण से जुड़े कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

आयुक्त सिंघल ने सबसे पहले सदर बाजार से गुटकेधर तन निर्माणधीन सड़क का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सदर बाजार से गुटकेधर के बीच पुलिया निर्माण का कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही सड़क के शेष कार्यों को 25 अक्टूबर तक पूरा करने के लिए कहा।

इसके बाद किला मैदान तिराह से जिंसी चौराहा और नेमीनाथ चौराहा तक निर्माणधीन मास्टर प्लान सड़क का निरीक्षण किया गया। गोपुर चौराहा और अन्रपूर्णा चौराहा के विकास कार्यों का भी जायज जाया गया। आयुक्त ने दोनों चौराहों पर लेफ्ट टर्न को व्यवस्थित और सुगम बनाने के

तक निर्माणाधीन सड़क का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सड़क निर्माण से जुड़े सभी शेष कार्य 31 अक्टूबर तक पूरे करने के निर्देश दिए। एबी रोड स्थित अमृत होटल चौराहे पर यातायात को सुगम बनाने के लिए चौराहा विकास की कार्ययोजना पर भी आवश्यक निर्देश दिए गए।

60 दिवसीय मेगा ड्राइव के तहत बरडिया में विधिक जागरूकता और जनकल्याण गतिविधियां जारी

विभागीय अधिकारियों की बैठक में आवेदनों के त्वरित निराकरण के निर्देश, 28 सितंबर को दस्तावेज अपडेशन शिविर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली की 60 दिवसीय मेगा ड्राइव के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नीमच द्वारा चर्चनित ग्राम बरडिया में विधिक जागरूकता के साथ पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

इसी क्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती शोभना श्री एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण कुमार ने जनपद पंचायत मनासा में विभिन्न विभागों के तहसील स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मनासा सुश्री आयुषी गोयल, तहसीलदार मनासा श्री अजेंद्र नाथ प्रजापति सहित संबंधित



अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में ग्राम बरडिया के ग्रामीणों से प्राप्त आवेदनों की विभागवार समीक्षा की गई। अधिकारियों को आवेदनों का शीघ्र परीक्षण एवं निराकरण कर पात्र हितग्राहियों को संबंधित योजनाओं का लाभ मेगा ड्राइव की अवधि में

उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। योजनाओं का लाभ दिलाने में आ रही कठिनाइयों का भी प्राथमिकता से निराकरण करने को कहा गया।

28 सितंबर को दस्तावेज अपडेशन शिविर- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती शोभना मीणा ने बताया कि ग्राम बरडिया में 28 सितंबर 2026 को आधार कार्ड अपडेशन, संबल कार्ड एवं समग्र आईडी संबंधी कार्यों के लिए विशेष शिविर

आयोजित किया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविर में उपस्थित होकर दस्तावेजों में आवश्यक सुधार एवं अद्यतन कराने की अपील की। संबंधित मैदानी अमले को भी शिविर का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक पात्र लोगों

को लाभान्वित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक के बाद जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की टीम ने ग्राम बरडिया के आंगनबाड़ी केंद्रों तथा प्राथमिक एवं मिडिल स्कूल का निरीक्षण किया। विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें निःशुल्क विधिक सहायता, विधिक सेवाओं, टोल-फ्री हेल्पलाइन, विधिक सहायता पेटी तथा सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। साथ ही विद्यार्थियों को अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करते हुए आधार कार्ड सहित आवश्यक दस्तावेज बनवाने एवं अद्यतन कराने के लिए प्रेरित किया गया।

मेगा ड्राइव के तहत ग्राम बरडिया में विधिक जागरूकता, दस्तावेजों के निर्माण एवं अपडेशन तथा शासकीय योजनाओं का लाभ

पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के लिए विभागों के समन्वय से गतिविधियां निरंतर जारी हैं।



मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत मंदसौर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना दलौदा पुलिस ने 40 ग्राम स्मैक और 1.5 किलोग्राम डोडाचूरा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। बता दें कि पुलिस कप्तान विनोद कुमार मीना के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेरसिंह बघेल एवं एसडीओपी ग्रामीण जितेन्द्र भास्कर के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई।

थाना पुलिस के अनुसार दिनांक 24 सितंबर की रात थाना दलौदा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति काले रंग की सुपर स्लेंडर बाइक से अवैध मादक पदार्थ लेकर भावगढ़-दलौदा रोड, ग्राम एलची के कच्चे रास्ते से जाने वाला है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मुखबिर के बताए हुलिए का व्यक्ति बाइक पर आता दिखा, जो पुलिस को देखकर भागने एवं दलौदा पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम अजिफ पिता इसहाक अजमेरी (35), निवासी ग्राम बादखेड़ी खेड़ी, थाना नई आबादी बताया। तलाशी में उसके कब्जे से 40 ग्राम स्मैक और बाइक पर टंगे थैले से 1.5 किलो डोडाचूरा बरामद हुआ। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस ने आरोपी से 4 लाख रुपये कीमत की 40 ग्राम स्मैक, 3 हजार रुपये कीमत का 1.5 किलो डोडाचूरा, 70 हजार की बाइक और 15 हजार का मोबाइल जब्त किया है। आरोपी से अन्य बिंदुओं पर पूछताछ जारी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी उमर रविन्द्र प्रताप डंगी, सजिन तेजसिंह डामोर एवं दलौदा पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प्रशासनिक कार्य सुविधा की दृष्टि से अधिकारियों को सौंपे गए अतिरिक्त प्रभार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने कार्यालयीन कार्य सुविधा एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने की दृष्टि से जिले में पदस्थ अधिकारियों के मध्य अतिरिक्त कार्य प्रभार का विभाजन किया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से प्रभावशील हो गया है।

जारी आदेश के अनुसार डिप्टी कलेक्टर श्री चन्द्रसिंह धारवे को जनगणना कार्य, जिला अस्पताल की समस्त व्यवस्थाओं के प्रभारी अधिकारी, जिला शहरी विकास अधिकरण के परियोजना अधिकारी तथा बंगला-बगीचा व्यवस्थापन के प्रभारी अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है।

इसी प्रकार डिप्टी कलेक्टर सुश्री रश्मि भयाड़िया को जिला खनिज प्रतिष्ठान निधि का प्रभारी अधिकारी तथा जिला नाजिर का प्रभार दिया गया है।

अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत नीमच श्री अरविन्द डामोर को जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। कलेक्टर श्री चंद्रा ने संबंधित अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर एवं एसपी ने किया गणेश प्रतिमा विसर्जन स्थलों का निरीक्षण



नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास ने गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए निर्धारित स्थलों ग्राम चल्दू नदी, बोरखेड़ी नदी एवं संजीवनी घाट जलाशय का निरीक्षण किया। उन्होंने

विसर्जन की व्यवस्थाओं एवं सुरक्षा इंतजामों का जायजा लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर एवं एसपी ने विसर्जन स्थलों पर फ्रेन, नाव, गोताखोर, एसडीआरएफ टीम, चिकित्सा दल एवं एम्बुलेंस सहित की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने एसडीआरएफ एवं होमगार्ड की टीम को विसर्जन के दौरान सतर्क एवं अलर्ट रहने के निर्देश दिए। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक संसाधन एवं बचाव दल मौके पर उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती हेमलता अग्रवाल,एसडीएम श्री पराग जैन,सीएसपी श्रीमती किरण चौहान,तहसीलदार श्री संतोष कुमार सहित संबंधित अधिकारी, थाना प्रभारी एवं पुलिस बल, स्थानीय सरपंच एवं ग्राम पंचायत प्रतिनिधि, एसडीआरएफ, होमगार्ड तथा स्वास्थ्य विभाग की टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

एसडीएम मनासा का प्रभार अब डिप्टी कलेक्टर मयूरी जोक को



नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा जारी आदेश के अनुसार, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती मयूरी जोक को आगामी अन्य आदेश तक अनुविभागीय अधिकारी एवं दण्डाधिकारी, मनासा के पद पर कार्य करने के लिए आदेशित किया गया है।

सुश्री किरण सिंह अंजना के कार्यमुक्त होने के बाद श्रीमती मयूरी जोक,डिप्टी कलेक्टर,जिला नीमच को आगामी अन्य आदेश तक एसडीएम एवं दण्डाधिकारी, मनासा का दायित्व सौंपा गया है।

120 फीट ऊंचे एयरटेल टॉवर पर चढ़ किसान, डेढ़ माह से लापता बेटे को तलाशने की मांग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नाहरगढ़ थाने के ग्राम बरखेड़ा डंगी में गुरुवार शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब एक किसान अपने 22 वर्षीय लापता बेटे की तलाश की मांग को लेकर करीब 120 फीट ऊंचे एयरटेल मोबाइल टॉवर पर चढ़ गया। किसान का कहना था कि उसका बेटा सुखदेव पिछले करीब डेढ़ माह से लापता है, लेकिन अब तक उसका कोई पता नहीं चल पाया है। वह नाहरगढ़ थाना सहित जिला पुलिस अधीक्षक को भी लिखित में शिकायत देकर बेटे की तलाश की मांग कर चुका है।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार शाम करीब 5 बजे बरखेड़ा डंगी निवासी किसान मोहनलाल पिता नाथूलाल तेली एयरटेल के टॉवर पर चढ़ गया। ग्रामीणों को



इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम गांव पहुंची और किसान से नीचे उतरने के लिए बातचीत का प्रयास किया, लेकिन किसान ने अपना मोबाइल बंद कर रखा था। इसके बाद पुलिस एवं ग्रामीणों ने गांव के मंदिर में लगे माइक से मुनादी कराई। माइक के माध्यम से किसान को आश्चस्त किया गया कि उसकी मांगों पर कार्रवाई की जाएगी

और उसके लापता बेटे को जल्द तलाशने के प्रयास किए जा रहे हैं। समझाइश के बाद करीब 6-30 बजे किसान टॉवर से सुरक्षित नीचे उतर आया। बताया गया कि किसान का बेटा सुखदेव, उम्र करीब 22 वर्ष, 17 अगस्त 2026 से लापता है। किसान द्वारा बेटे की तलाश के लिए पुलिस को आवेदन दिए जाने के बावजूद उसका अभी तक पता नहीं चल सका है। बताया गया कि मोहनलाल की पत्नी का निधन हो चुका है और वह घर में अकेला रहता है। उसका एकमात्र बेटा भी लापता होने के कारण वह परेशान था। मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी वरुण तिवारी ने किसान को समझाइश देकर नीचे उतारा। उन्होंने बताया कि किसान को समझाया गया है और उसके लापता बेटे की तलाश के प्रयास किए जा रहे हैं।

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत सीतामऊ विकासखंड के ग्राम फतेहपुर सीकली में गुरुवार को शिविर संपन्न हुआ। कलेक्टर दिव्यांक सिंह द्वारा फतेहपुर सीकली में आवेदकों की समस्याएं सुनी गईं तथा मौके पर ही कई समस्याओं का निराकरण किया गया। इस अवसर पर 378 समस्याएं शिकायतें प्राप्त हुईं। 80 समस्याओं का मौके पर निराकरण किया गया। इसके अलावा 298 शिकायतों के निराकरण के लिए समय सीमा निर्धारित की गई।



मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत सुवासरा विधायक हर्दीप सिंह डंगा तथा कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने ग्राम बिशनिया, मोतीपुरा एवं केतुखेड़ी गांव का भ्रमण किया। ग्राम बिशनिया में प्राथमिक सहकारी सक्षम संस्था का निरीक्षण किया तथा व्यवस्था का जायजा लिया। उचित

प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जहां पर बच्चों द्वारा लगाई गई चित्रकला पेंटिंग का अवलोकन किया।

कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने कहा कि बच्चे सोचने समझने की क्षमता विकसित करते रहें अपनी पहचान बनाएं, अच्छा सोचें महापुरुषों को

उदाहरण मानकर कार्य करें विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा ग्राम बोलिया, रहीमगढ़, खेताखेड़ा, शक्करखेड़ी, एवं सुवासरा नगर परिषद का कोई एक वार्ड, नाहरगढ़, कचनारा, खजुरी माण्ड, खजुरी चंदावत, रणायरा, प्रतापपुरा, झलारा, कोटड़ा बहादूर, बेटीखेड़ी, पायाखेड़ी, रामगढ़, बर्डिया गुर्जर, गाडरिया, अरिनया गौड़, बाजखेड़ी, खजुरी गौड़, जमुनिया, कोटड़ामाता, सेहरा करनानी, काचरिया, बोरखेड़ी जागीर, कोटपिपलिया, शक्करखेड़ी जागीर, धलपट का भ्रमण किया गया।

राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-तिलहन NMEO-OS अंतर्गत दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाड़ा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मदाना कृषि विज्ञान केन्द्र, शाजापुर द्वारा दिनांक 23 एवं 24 सितंबर 2026 को राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-तिलहन हस्तक्ष-हस्त अंतर्गत कृषि विभाग, शाजापुर के सहयोग से दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन ग्राम मदाना विकासखण्ड-मोहन बड़ोदिया में माननीय श्री हेमराज सिंह सिसोदिया जी, अध्यक्ष जिला पंचायत के मुख्य अतिथ्य एवं भारतीय किसान संघ के जिलाध्यक्ष श्री सवाई सिंह सिसोदिया जी की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि श्री अरविंद जी जोशी जी जिला कार्यालय मंत्री किसान संघ, श्री जितेन्द्र गोडी जी तहसील मंत्री गुलाना किसान संघ, श्री हरपाल सिंह जादौन तहसील सह मंत्री गुलाना, श्री भार्गव तोमर जिला कार्यकर्णी सदस्य किसान संघ गुलाना, ग्राम के सरपंच श्री गोविंद मालवीय एवं कार्यक्रम में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, डॉ.एस.एस.धाकड़ वैज्ञानिक डॉ. गायत्री वर्मा रावल, डॉ. मुकेश सिंह, डॉ. डी. के.तिवारी,उद्यान विभाग से श्री जे.पी.परमार, एवं कृषि विभाग से श्री रश्मि मुकाती उपस्थित



रहे। कार्यक्रम में जैविक कृषक श्री तेज सिंह राजपूत जी के साथ लगभग 80 से अधिक प्रगतिशील किसान उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री हेमराज सिंह सिसोदिया जी,अध्यक्ष जिला पंचायत द्वारा ग्राम किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि तिलहनी फसलों की खेती जैविक तरीके से करें जिससे स्वास्थ्य पर्यावरण एवं मृदा को संरक्षित किया जा सके। साथ ही जिलाध्यक्ष श्री सवाई सिंह सिसोदिया जी ने किसानों को कहा की भारत को खाद्य तेल के

क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिये तिलहनी फसलों का उत्पादन बढ़ाना समय की आवश्यकता है एवं विभागीय योजनाओं का लाभ लेते हुए वैज्ञानिक विधि से खेती करने का आग्रह किया।

इस दौरान केन्द्र प्रमुख डॉ एस.एस धाकड़ द्वारा तिलहनी फसलो हेतु उन्नत किस्मों चयन के साथ समन्वित पोषण प्रबंधन, भूमि एवं जल संरक्षण के उपाय करें जिससे बोई गयी फसलों की उत्पादकता बढ़ सके। इस दौरान उन्होंने उन्नत कृषि यंत्रो की उपयोगिता विशेषकर फसल अवशेष प्रबंधन एवं उन्नत कटाई,गहाई कृषि यंत्रों भूमि एवं जल संरक्षण के विभिन्न उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में डॉ. गायत्री वर्मा रावल द्वारा तिलहनी फसलों का उत्पादन प्रसंस्करण आधारित स्वरोजगार स्थानीय स्तर पर प्राप्त किये जाने पर प्रकाश डाला एवं सलाह दी साथ

क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिये तिलहनी फसलों के प्रसंस्करण अंतर्गत-सोयाबीन, मूंगफली, कुसुम, सरसों इत्यादि के स्वास्थ्य लाभ एवं प्रसंस्करण सह स्वरोजगार संबंधी तकनीकी मार्गदर्शन दिया गया।

डॉ. मुकेश सिंह ने बताया कृषक फसल की आवश्यकतानुसार पोषक तत्वों का प्रयोग मृदा स्वास्थ्य कार्ड के अनुसार करें एवं खरीफ फसलो मे सन्वित कीट प्रबंधन की जानकारी दी साथ ही तिलहनी फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने तथा मधुमक्खी पालन हेतु प्रेरित किया गया। डॉ. डी.के. तिवारी द्वारा बताया गया कि वर्तमान में अधिकांश किसान अंधाधुंध रसायनों का छिड़काव कर रहे हैं इससे किसानों का आर्थिक नुकसान तो हो ही रहा है, वहीं फसल में कीट व्याधि एवं बीमारियाँ भी लग रही है। साथ ही उन्होने प्राकृतिक एवं जैविक खेती की विस्तार से जानकारी दी। किसानों की समस्यायिक समस्याओं का मौके पर समाधान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्री जे.पी परमार एवं श्री रश्मि मुकाती जी द्वारा भी कृषको को विभागीय जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का संचालन आयोजककर्ता डॉ.डी.के.तिवारी एवं आभार डॉ.गायत्री वर्मा रावल ने व्यक्त किया।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'नमो सेवा अनकही कहानिया' नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में विभिन्न स्थानों पर नमो सेवाड्डानकही कहानियां शीर्षक से नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान 17 सितम्बर 2026 से 17 अक्टूबर 2026 तक जनसेवा, जनभागीदारी, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी प्रचार-प्रसार, पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने, स्वच्छता एवं सामाजिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने तथा अधिकाधिक नागरिकों को विकसित भारत के संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है।



सर्वजनिक स्थानों को शामिल किया गया है, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इन सांस्कृतिक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुतियों का लाभ प्राप्त कर सकें। इन नुक्कड़ नाटक कार्यक्रमों का मंचन देवेंद्र भटौरिया रूप द्वारा संस्कृति विभाग से स्वीकृत स्क्रिप्ट के आधार पर किया जा रहा है। कलाकारों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों की प्रेरक कहानियों के साथ विकसित भारत, स्वच्छता, सामाजिक सहभागिता, आत्मनिर्भरता, महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक विकास जैसे विषयों को अकर्षक एवं संवादात्मक शैली में प्रस्तुत किया जा रहा है।

नमो सेवा के सहायक नोडल अधिकारी श्री रतेश विजयवाणीय ने बताया कि नुक्कड़ नाटक के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी आमजन तक सरल एवं प्रभावी तरीके से पहुंचाई जा रही है। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से नागरिकों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक करने के साथ ही उन्हें विकसित भारत के संकल्प में सहभागी बनने का संदेश दिया जा रहा है। आज विकासखंड जावरा एवं आलोट क्षेत्र के बड़ावदा, नगर परिषद आलोट, ताल, ग्राम पंचायत खारवा केला एवं गुल बालोद सहित विभिन्न स्थानों पर नमो सेवाड्डानकही कहानियां नुक्कड़ नाटकों की प्रस्तुतियां आयोजित की गईं।

सर्वजनिक स्थानों को शामिल किया गया है, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इन सांस्कृतिक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुतियों का लाभ प्राप्त कर सकें। इन नुक्कड़ नाटक कार्यक्रमों का मंचन देवेंद्र भटौरिया रूप द्वारा संस्कृति विभाग से स्वीकृत स्क्रिप्ट के आधार पर किया जा रहा है। कलाकारों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों की प्रेरक कहानियों के साथ विकसित भारत, स्वच्छता, सामाजिक सहभागिता, आत्मनिर्भरता, महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक विकास जैसे विषयों को अकर्षक एवं संवादात्मक शैली में प्रस्तुत किया जा रहा है।

नमो सेवा के सहायक नोडल अधिकारी श्री रतेश विजयवाणीय ने बताया कि नुक्कड़ नाटक के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी आमजन तक सरल एवं प्रभावी तरीके से पहुंचाई जा रही है। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से नागरिकों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक करने के साथ ही उन्हें विकसित भारत के संकल्प में सहभागी बनने का संदेश दिया जा रहा है। आज विकासखंड जावरा एवं आलोट क्षेत्र के बड़ावदा, नगर परिषद आलोट, ताल, ग्राम पंचायत खारवा केला एवं गुल बालोद सहित विभिन्न स्थानों पर नमो सेवाड्डानकही कहानियां नुक्कड़ नाटकों की प्रस्तुतियां आयोजित की गईं।

सम्पादकीय अंत्योदय : विकसित भारत की मानवीय आधारशिला

भारत की विकास यात्रा आज ऐसे दौर में है, जब आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, डिजिटल परिवर्तन और वैश्विक प्रभाव के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है और देश को विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक समृद्धि केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद, ऊंची इमारतों, आधुनिक सड़कों या वैश्विक रैंकिंग से तय नहीं होती। उसकी सबसे बड़ी कसौटी यह है कि विकास की रोशनी उस व्यक्ति तक कितनी पहुंची है, जो विकास की कतार में सबसे पीछे खड़ा है। यहीं से अंत्योदय का विचार प्रारसंगिक होता है। हर वर्ष 25 सितंबर को अंत्योदय दिवस मनाया जाता है। यह दिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती का दिन है और 25 सितंबर 2014 को भारत सरकार ने इसे अंत्योदय दिवस के रूप में घोषित किया था। इसी अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना को भी शुरु किया गया था, जिसका उद्देश्य ग्रामीण गरीब युवाओं को कौशल और रोजगार के अवसरों से जोड़ना था। इसलिए अंत्योदय दिवस केवल किसी महापुरुष की स्मृति का दिवस नहीं, बल्कि विकास की दिशा और उसकी प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने का अवसर है।

‘अंत्योदय’ दो शब्दों से बना है- ‘अंत्य’ अर्थात सबसे अंतिम और ‘उदय’ अर्थात उत्थान। लेकिन इसका अर्थ केवल किसी गरीब व्यक्ति को सहायता देना नहीं है। अंत्योदय का व्यापक अर्थ है-ऐसी व्यवस्था का निर्माण जिसमें कोई व्यक्ति अवसरों से वंचित न रहे, कोई परिवार बुनियादी सुविधाओं के अभाव में पीछे न छूटे और विकास की प्रक्रिया का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुंचे। दीनदयाल उपाध्याय के ‘एकात्म मानववाद’ में मनुष्य केवल आर्थिक उत्पादन की इकाई नहीं है। उसके शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा-सभी का संतुलित विकास आवश्यक है। यही अंत्योदय को महज कल्याणकारी कार्यक्रम से आगे ले जाकर मानव-केंद्रित विकास-दर्शन बनाता है। आज प्रश्न यह नहीं है कि भारत विकास कर रहा है या नहीं। प्रश्न यह है कि भारत के विकास का लाभ किस गति से, किस गहराई से और किस अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। यही वह प्रश्न है जो अंत्योदय दिवस को 2026 में और अधिक महत्वपूर्ण बनाता है।

भारत 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक विकास बढाने का लक्ष्य नहीं हो सकता। विकसित भारत का अर्थ विकसित गांव, सक्षम नागरिक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य, समानजनक रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, डिजिटल पहुंच, उद्यमिता और अवसरों की समान उपलब्धता भी है। 2026 में नीति-निर्माण में ‘समावेशी मानव विकास’ को विकसित भारत की चर्चा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। यही कारण है कि आज अंत्योदय की आवश्यकता पहले से कम नहीं, बल्कि अधिक है। आर्थिक विकास जितना तेज होगा, उतनी ही जरूरी होगी यह सावधानी कि विकास की दौड़ में कोई पीछे न छूट जाए। तकनीक जितनी शक्तिशाली होगी, उतना ही जरूरी होगा कि डिजिटल विभाजन कम हो। नए रोजगार जितने पैदा होंगे, उतनी ही आवश्यकता होगी कि गरीब और ग्रामीण युवा उनके लिए आवश्यक कौशल प्राप्त कर सकें। भारत में अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़े करोड़ों श्रमिकों के संदर्भ में नीति आयोग ने भी यह रेखांकित किया है कि तकनीक अपने आप समावेशी परिवर्तन नहीं ला सकती, अवसरों और सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करना भी जरूरी है।

इस दृष्टि से अंत्योदय का नया अर्थ ‘सहायता से सशक्तिकरण’ होना चाहिए। गरीब को केवल अनुदान नहीं, अवसर मिले। किसान को केवल राहत नहीं, बेहतर उत्पादकता और बाजार मिले। श्रमिक को केवल रोजगार नहीं, कौशल और सामाजिक सुरक्षा मिले। महिला को केवल कल्याणकारी योजना नहीं, शिक्षा, संपत्ति, उद्यमिता और निर्णय-क्षमता में भागीदारी मिले। ग्रामीण युवा को केवल नौकरी की तलाश में शहर की ओर जाने की मजबूरी न हो, बल्कि उसके गांव और कस्बे में ही कौशल, डिजिटल सुविधा और उद्यम का वातावरण बने। यही अंत्योदय का आधुनिक स्वरूप हो सकता है-व्यक्ति को लाभार्थी से भागीदार बनाना। 2014 में शुरु हुई दीनदयाल अंत्योदय योजना ने ग्रामीण और शहरी गरीबों के लिए आजीविका तथा कौशल-विकास को महत्व दिया था। सरकार ने उस समय ग्रामीण एवं शहरी गरीबों के उत्थान के लिए कौशल विकास और आजीविका के अवसरों को विस्तार देने की बात कही थी। आज आवश्यकता इस सोच को और व्यापक बनाने की है। अंत्योदय को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कौशल, आवास, पोषण, वित्तीय समावेशन, डिजिटल कनेक्टिविटी और सामाजिक सुरक्षा के बीच एक समन्वित दृष्टिकोण बनाना होगा। भारत की अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ यह जिम्मेदारी भी बढ़ती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2025-26 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही और 2026-27 की पहली तिमाही में यह 7.8 प्रतिशत रहा। भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य भी सार्वजनिक नीति और आर्थिक विमर्श में प्रमुखता से व्यक्त किया गया है, 2026 के केंद्रीय बजट पर प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया में भी यह लक्ष्य दोहराया गया।

अनंत चतुर्दशी बाह्य विसर्जन व आंतरिक जागृति की स्थापना का पर्व



भारतीय संस्कृति में पर्व केवल परंपराओं और उत्सवों तक सीमित नहीं हैं। प्रत्येक पर्व अपने भीतर एक गहरा आध्यात्मिक संदेश समेटे हुए है। अनंत चतुर्दशी भी ऐसा ही पावन अवसर है, जो हमें अनंत परम शक्ति से अपने संबंध को अनुभव करने और अपने भीतर झाँकने की प्रेरणा देता है। ‘अनंत’ अर्थात जिसका कोई अंत नहीं। हमारा बाहरी जीवन निरंतर परिवर्तनशील है, विचार बदलते हैं, भावनाएँ बदलती हैं और परिस्थितियाँ भी बदलती रहती हैं। फिर भी हमारे भीतर एक ऐसी चेतना विद्यमान है, जो इन सभी परिवर्तनों की साक्षी है। सहजयोग हमें इसी आंतरिक सत्य को अनुभव करने की दिशा में ले जाता है।श्री माताजी निर्मला देवी ने सहजयोग के माध्यम से आत्म-साक्षात्कार और ध्यान का मार्ग बताया। हमारे भीतर स्थित कुंडलिनी शक्ति के जागरण से आत्म-साक्षात्कार की अवस्था प्राप्त होने पर व्यक्ति अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानने की दिशा में आगे बढ़ता है। ध्यान में प्राप्त निर्विचारिता और आंतरिक शांति हमें बाहरी परिस्थितियों से ऊपर उठकर अपने भीतर संतुलन अनुभव करने में सहायता करती है।

अनंत चतुर्दशी गणेश उत्सव के समापन का भी पर्व है। सहजयोग में श्री गणेश को मासूमियत, पवित्रता, विवेक और मर्यादा का प्रतीक माना जाता है। गणेश जी का बालसुलभ सरलता हमें याद दिलाती है कि आध्यात्मिक जीवन में हृदय की निर्मलता और सहजता का विशेष महत्व है। गणेश विसर्जन अपने आप में एक सुंदर आध्यात्मिक प्रतीक है। जिस प्रकार हम श्रद्धा से गणेश जी को स्थापित करते हैं और फिर उन्हें जल में विमर्जित करते हैं, उसी प्रकार हमें अपने भीतर के अहंकार, क्रोध, भय और अनावश्यक विचारों को भी धीरे-धीरे विसर्जित करना सीखना चाहिए। जब इन मानसिक बंधनों का प्रभाव कम होता है, तब भीतर की शांति अधिक स्पष्ट रूप से अनुभव होने लगती है।

इस दिन धारण किया जाने वाला अनंत सूत्र भी एक सुंदर प्रतीक है कि हम अपने जीवन को सत्य, संतुलन और आत्मचेतना से जोड़ें। वास्तविक सूत्र केवल हाथ पर नहीं, बल्कि हमारे हृदय में बंधना चाहिए। आज के व्यस्त और तनावपूर्ण जीवन में अनंत चतुर्दशी हमें कुछ क्षण रुकने, ध्यान करने और अपने भीतर की शांति को अनुभव करने का अवसर देती है।

अनंत बाहर कहीं दूर नहीं है। वह हमारे भीतर ही विद्यमान है। सहजयोग उस अनंत चेतना को अनुभव करने की एक सहज यात्रा है।

महाराष्ट्र में इस बार सूखे ने सिर्फ खेत नहीं सुखाए, व्यवस्था की तैयारी भी उजागर कर दी है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लातूर, धाराशिव और सोलापुर के हालात को 1972 के सूखे से भी गंभीर/भयावह बताया है। 1972 महाराष्ट्र के लिए सिर्फ सूखे का साल नहीं, एक बड़ी त्रासदी था। तब पानी नहीं था; आज पानी के साथ सर्वेक्षण, पंचनामा, समितियाँ, जीआर (शासन निर्णय) और घोषणाएँ भी हैं। फिर भी किसान की जरूरत वही है—पानी और राहत। तब वह आसमान देखता था, आज आसमान के साथ सरकार की ओर भी देखता है। सवाल अब सूखा पहचानने का नहीं, यह है कि कार्रवाई पानी की तरह खेत तक पहुँचेली या फाइल की तरह वहीं सूख जाएगी।

सोलापुर से लातूर और धाराशिव तक खेतों की हालत सरकारी आँकड़ों से कहीं ज्यादा भयावह है। फसलें सूख चुकी हैं, कुएँ जवाब दे चुके हैं और किसान की उम्मीद अब मौसम की भविष्यवाणी पर टिकी है। लातूर और धाराशिव में सामान्य से करीब आधी बारिश हुई और सोयाबीन जैसी फसलों को भारी नुकसान हुआ। किसान के लिए यह सिर्फ फसल का नुकसान नहीं—बीज, खाद, मजदूरी, कर्ज और परिवार की उम्मीद, सच दाँव पर हैं। विडंबना यह है कि खेत में पानी नहीं, लेकिन सरकारी शब्दावली में भरपूर पानी है—सर्वेक्षण, पंचनामा, मदद, व्यवस्था और समीक्षा। किसान का सीधा सवाल है—इन्में से कौन-सा शब्द उसके सूखे कुएँ में पानी उतारेगा?

विकास ने पानी को पीछे छोड़ दिया—यही 1972

यूपीआई तंत्र के हित में है एमडीआर

यूपीआई यानी यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस वह सिस्टम है, जिसकी वजह से हम मोबाइल से तुरंत किसी को भी पैसे भेज या मांगवा सकते हैं। इसे 2016 में एनपीसीआई (नेशनल पेमेंट्स कारपोरेशन आफ इंडिया) ने शुरू किया था और तब सिर्फ 44 बैंक इससे जुड़े थे। आज 750 से अधिक बैंक इससे जुड़े हैं। शुरुआत में इसका इस्तेमाल बहुत कम था, लेकिन आज हर महीने 2,400 करोड़ से भी ज्यादा लेनदेन इसी के जरिये हो रहे हैं। यानी हर दिन करीब 80 करोड़ से अधिक बार लोग यूपीआई से पैसे भेज या ले रहे हैं। यह बदलाव सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं। गांव की छोटी दुकान, ठेले वाला, आटो चालक आदि सब यूपीआई क्यूआर कोड से जुड़ चुके हैं। इसने नकदी पर निर्भरता को कम किया है और बैंकिंग को उन लोगों तक पहुंचाया है, जिनके पास पहले कभी डेबिट-क्रेडिट कार्ड नहीं था।

इसने छोटे व्यापारियों को बिना किसी भारी उकड़गण या शुल्क के डिजिटल भुगतान अपनाने का मौका दिया। अर्थशास्त्र की दृष्टि से देखें तो यूपीआई ने भुगतान की लागत को शून्य कर दिया, जिससे औपचारिक आर्थिकी का दायरा बढ़ा और वित्तीय समावेशन को नई गति मिली। यही वजह है कि आज यूपीआई सिर्फ एक तकनीकी सुविधा नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल आर्थिकी की रीढ़ है।

यूपीआई को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी खूब सराहा गया है। आईएमएफ ने जून 2025 में यूपीआई को दुनिया का सबसे बड़ा रीयल-टाइम भुगतान तंत्र बताया था, जो विश्व का करीब 49 प्रतिशत रीयल-टाइम डिजिटल लेनदेन संभालता है-बाजोत, चीन और दक्षिण कोरिया जैसे देशों से भी अधिक। आज भूटान, नेपाल, सिंगापुर, यूएई, फ्रांस, श्रीलंका, मारीशस और मालदीव समेत करीब एक दर्जन देश यूपीआई को अपना चुके हैं और कई देश अपने डिजिटल भुगतान ढांचे को इसी मॉडल पर बनाने पर विचार कर रहे हैं।

अब इसी मुफ्त सिस्टम में 15 अक्टूबर, 2026 से मामूली शुल्क लगने जा रहा है, जिसे एमडीआर यानी मर्चेंट डिस्काउंट रेट कहा जाता है। एनपीसीआई के इस फैसले ने हलचल पैदा की है, लेकिन असली तस्वीर समझने के लिए इसे आंकड़ों और अर्थशास्त्र की नजर से देखना जरूरी है। सबसे पहली बात यह कि १2,000 रुपये तक के यूपीआई भुगतान पूरी तरह मुफ्त ही रहेंगे और यही रकम कुल भुगतान (यानी जब किसी दुकानदार को यूपीआई से पैसे दिए जाते हैं) का 95 प्रतिशत से भी ज्यादा हिस्सा है। मलतब सी में से 95 से ज्यादा बार जब आप यूपीआई से पैसे देते तो कोई शुल्क नहीं लगेगा।

यूपीआई भुगतान पर शुल्क सिर्फ उन पांच प्रतिशत से भी कम लेनदेन पर लगेगा जो १2,000 से अधिक के होंगे और वह भी सिर्फ बड़े दुकानदारों-कारोबारियों पर। जो छोटे दुकानदार महीने में एक लाख रुपये तक यूपीआई क्यूआर कोड से कमताते हैं, उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उनके लिए सब कुछ पहले जैसा मुफ्त ही रहेगा।

-**सुनील कुमार महला**

दैनिक

मालवा हेराल्ड

और आज के सूखे का सबसे बड़ा अंतर है। तब उपग्रह, डिजिटल रिकॉर्ड, मौसम अलर्ट और आधुनिक जल-संरक्षण तकनीकें नहीं थीं; आज ये सब हमारे पास हैं। फिर भी मोबाइल पर बारिश की चेतावनी पहुँचती है, खेत में पानी नहीं। ड्रिप सिंचाई और जल-संरक्षण की तकनीकें मौजूद हैं, लेकिन सूखे खेत अब भी किसान की नियात बने हुए हैं। शहरों में स्मार्ट सुविधाएँ बढ़ रही हैं और गाँव में पानी का घड़ा भारी होता जा रहा है। हमने सूचना को डिजिटल कर लिया, पानी की व्यवस्था को नहीं। प्रकृति ने इस बार कम पानी दिया है, लेकिन सवाल व्यवस्था से है—जो पानी मिला, उसे हमने कितनी दूरदृष्टि से बचाया और बाँटा? किसान के हिस्से में जोरिखम आता है, राहत नहीं। मौसम की मार वह झेलता है, बाजार का उतार-चढ़ाव सहता है, कर्ज चुकाता है और फसल सूखने पर सरकारी प्रक्रिया के चक्र भी काटता है। बीज उसका, मेहनत उसकी, नुकसान उसका—अब राहत की प्रतीक्षा भी वही करे। फडणवीस ने प्रभावित किसानों को सहायता का भरोसा दिया है और सरकार दुकाल संबंधी निर्णय व राहत प्रक्रिया आगे बढ़ाने की बात कर रही है। अब कसौटी घोषणा नहीं, उसका खेत तक पहुँचना है—कितनी जल्दी, कितनी पारदर्शिता से और कितने परिवारों तक। किसान को अपनी पीड़ा पर सरकारी मुहर नहीं, उसके साथ मदद चाहिए। भूख को प्रमाणपत्र नहीं, भोजन चाहिए; प्यास को अधिसूचना नहीं, पानी।

हमारी जल-व्यवस्था की आदत अजीब है—पानी

कमजोर राजनीतिक नेतृत्व से कमजोर यूनाइटेड किंगडम की एकता

सबसे पहले ब्रिटेन के विघटन की आशंकाओं के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण तथ्यात्मक अंतर समझना आवश्यक होगा, ग्रेट ब्रिटेन और यूनाइटेड किंगडम एक ही चीज नहीं हैं। ग्रेट ब्रिटेन में इंग्लैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स शामिल हैं, जबकि यूनाइटेड किंगडम में इन तीनों के साथ उत्तरी आयरलैंड भी शामिल है। इसलिए यदि स्कॉटलैंड या वेल्स अलग होते हैं तो ग्रेट ब्रिटेन का वर्तमान राजनीतिक स्वरूप बदल जाएगा। वहीं उत्तरी आयरलैंड के मामले में संवैधानिक प्रक्रिया अलग है और उसका भविष्य आयरलैंड के साथ संभावित एकीकरण के प्रश्न से जुड़ा हुआ है। ब्रिटेन की आर्थिक स्थिति को लेकर भी सार्वजनिक विमर्श में कई बार अतिशयोक्ति दिखाई देती है। जिस ब्रिटेन ने कभी दुनिया के विशाल भूभागों पर अपना शासन स्थापित किया था, जिसकी सत्ता के बारे में कहा जाता था कि उसके साम्राज्य में सूर्य कभी अस्त नहीं होता, वही ब्रिटेन आज अपने भीतर की राजनीतिक, आर्थिक और संवैधानिक चुनौतियों से जूझ रहा है। प्रश्न अब केवल ब्रिटेन की आर्थिक सहेत का नहीं है, बल्कि यह भी है कि क्या यूनाइटेड किंगडम आने वाले वर्षों में उसी राजनीतिक स्वरूप में कायम रह पाएगा, जिसमें इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड एक साथ दिखाई देते हैं। सितंबर 2026 में स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड के नेताओं की ओर से संवैधानिक बदलाव और अपने-अपने देशों के भविष्य के अधिकार की बात ने इस प्रश्न को और गंभीर बना दिया है। ताजा आधिकारिक आंकड़े किसी तत्काल आर्थिक पतन की तस्वीर प्रस्तुत नहीं करते। ब्रिटेन के ऑफिस फॉर नेशनल स्टैटिस्टिक्स के अनुसार जुलाई 2026 तक के तीन महीनों में वास्तविक त्छ्रक्रम में 0.4 प्रतिशत वृद्धि हुई और जुलाई में मासिक त्छ्रक्रम भी 0.4 प्रतिशत बढ़ा। पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में जुलाई 2026 तक तीन महीनों में त्छ्रक्रम 1.3 प्रतिशत अधिक था। अर्थात अर्थव्यवस्था दबाव में अवश्य है, लेकिन उसे ध्वस्त या लगातार सिकुड़ती हुई अर्थव्यवस्था कहना आंकड़ों के अनुरूप नहीं होगा।

महंगाई की चुनौती फिर भी गंभीर है। अगस्त 2026 में ब्रिटेन की छ्छ्रम महंगाई दर 3.1 प्रतिशत रही, जो जुलाई के 2.9 प्रतिशत से अधिक थी। विशेष चिंता परिवहन और ईंधन कीमतों की रही; अगस्त में मोटर ईंधन की कीमतें एक वर्ष पहले की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक थीं। आवास और घरेलू सेवाओं की कीमतों में भी 4.3 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज हुई। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि ब्रिटिश परिवारों पर जीवन-यापन की लागत का दबाव अभी समाप्त नहीं हुआ है।

रोजगार बाजार की स्थिति भी चुनौतीपूर्ण है, लेकिन «बेरोजगारी चरम पर» कहना सही नहीं होगा। सितंबर 2026 में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार मई-जुलाई 2026 में 16 वर्ष और उससे अधिक आयु की आबादी के लिए बेरोजगारी दर 4.9 प्रतिशत थी और बेरोजगारों की अनुमानित संख्या लगभग 17.78 लाख थी। जुलाई 2025 से जुलाई 2026 में पे रोल के कर्मचारियों की संख्या 1.01 लाख कम हुई, जबकि अगस्त 2026 की प्रारंभिक संख्या वर्ष-दर-वर्ष 1.45 लाख कम थी। इसका अर्थ यह है कि श्रम बाजार में कमजोरी और रोजगार संबंधी चिंता मौजूद है, पर इसे ऐतिहासिक चरम कहना उलटब्ध

रहते उसकी चिंता नहीं और संकट आते ही पानी-पानी। बारिश अधिक हुई तो बाढ़, कम हुई तो सूखा; दोनों के बीच तैयारी कहीं दिखाई नहीं देती। तालाबों का पुनर्निर्माण, भूजल पुनर्भरण, नदियों का संरक्षण, जलागम विकास, सिंचाई दक्षता और फसल-पद्धति बदलने की बातें वर्षों से हो रही हैं, पर जमीन पर उनका हिसाब अब भी बाकी है। हर सूखे के बाद वही सवाल लौटता है—पानी गया कहीं? सच यह है कि पानी जितना आसमान ने नहीं रोका, उससे अधिक हमने उसे रोकने, बचाने और बाँटने की व्यवस्था को प्राथमिकता नहीं दी। सूखा आधा मौसम की देन है, आधा हमारी नीतियों का परिणाम।

प्रकृति को कटघरे में खड़ा करना आसान है, अपनी जल-व्यवस्था को नहीं। जलवायु परिवर्तन से तापमान बढ़ा है, बारिश का मिजाज बदला है और लंबे सूखे ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मुश्किल बढ़ाई है। लेकिन हर संकट का दोष प्रकृति पर डाल देना भी सुविधाजनक है। हमने तालाबों को उपेक्षित किया, नदियों पर दबाव बढ़ाया, भूजल खींचा और पानी बहाया; फिर बादलों से शिकायत की कि वे बरसे क्यों नहीं। सूखा केवल बारिश की कमी नहीं, हमारी जल-बुद्धि की परीक्षा है। जहाँ पानी की योजना संकट तक सीमित हो, वहाँ सूखा प्राकृतिक आपदा से आगे प्रशासनिक चुनौती बन जाता है। इसलिए राहत के साथ हिसाब भी जरूरी है—कितना पानी आया, कितना बचा और कितना हमारी लापरवाही में बह गया?

सूखा हर साल नया नहीं होता, हमारी तैयारी जरूर

आंकड़ों से समर्थित नहीं है।

लेकिन ब्रिटेन के सामने सबसे बड़ा प्रश्न शायद अर्थव्यवस्था से अधिक उसका संवैधानिक भविष्य है। स्कॉटलैंड में स्वतंत्रता की मांग कोई नई घटना नहीं है। 2014 में जनमत-संग्रह हो चुका है, जिसमें 55 प्रतिशत मतदाताओं ने यूनाइटेड किंगडम में बने रहने और 45 प्रतिशत ने स्वतंत्रता के पक्ष में मतदान किया था। 2022 में ब्रिटेन के सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि स्कॉटिश संसद अकेले स्वतंत्रता पर जनमत-संग्रह कराने के लिए कानून नहीं बना सकती। इसका अर्थ यह है कि स्वतंत्रता का प्रश्न राजनीतिक रूप से जीवित है, लेकिन उसका संवैधानिक रास्ता सरल नहीं है।

2026 के स्कॉटिश चुनावों ने भी स्वतंत्रता के प्रश्न को समाप्त नहीं किया। स्कॉटिश नेशनल पार्टी ने स्वतंत्रता जनमत-संग्रह के लिए अधिकार प्राप्त करने को अपने राजनीतिक एजेंडे में रखा, लेकिन 7 मई 2026 के चुनाव में उसे पूर्ण बहुमत नहीं मिला। इसलिए स्कॉटलैंड की स्वतंत्रता की दिशा में तत्काल संवैधानिक परिवर्तन को निश्चित परिणाम मानना जल्दबाजी होगा।

वेल्स की स्थिति स्कॉटलैंड से अलग है। वहां भी स्वतंत्रता की आवाज मौजूद है और इस मुद्दे को राजनीतिक विमर्श में आगे बढ़ा रही है। लेकिन उपलब्ध जनमत सर्वेक्षणों से यह संकेत नहीं मिलता कि वेल्स में स्वतंत्रता के पक्ष में स्पष्ट बहुमत बढ़ चुका है। जनवरी 2026 के यू गाव सर्वेक्षण में 26 प्रतिशत वेल्स वयस्कों ने स्वतंत्रता के पक्ष में और 54 प्रतिशत ने विरोध में मतदान करने की बात कही थी। इसका अर्थ है कि वेल्स में संवैधानिक असंतोष और स्वतंत्रता की बहस जरूर बढ़ रही है, लेकिन स्वतंत्रता के लिए स्पष्ट जनसमर्थन अभी स्थापित नहीं हुआ है।

उत्तरी आयरलैंड का मामला सबसे अलग और संवेदनशील है। 1998 के नॉर्दन आयरलैंड एक्ट के अंतर्गत वहां की संवैधानिक स्थिति «सहमति के सिद्धांत» पर आधारित है। यदि उत्तरी आयरलैंड की जनता की बहुमत इच्छा यूनाइटेड किंगडम से अलग होकर एकीकृत आयरलैंड का हिस्सा बनने की हो, तो निर्धारित संवैधानिक प्रक्रिया के तहत जनमत-संग्रह कराया जा सकता है। इसलिए उत्तरी आयरलैंड का प्रश्न केवल ब्रिटेन से अलग होने का नहीं, बल्कि ब्रिटेन और आयरलैंड के बीच संवैधानिक संबंध के पुनर्गठन का प्रश्न है।

यही कारण है कि आज ब्रिटेन के सामने एक विचित्र ऐतिहासिक परिस्थिति दिखाई देती है। कभी ब्रिटेन ने दूसरे देशों की राजनीतिक सीमाओं को प्रभावित किया था, लेकिन अब उसकी अपनी सीमाओं और संघीय संरचना पर बहस तेज हो रही है। स्कॉटलैंड अपने राजनीतिक अधिकारों और यूरोपीय संबंधों को लेकर अलग दृष्टिकोण रखता है। वेल्स में भी अधिक स्वायत्तता और संवैधानिक विकल्पों पर चर्चा बढ़ रही है। उत्तरी आयरलैंड में आयरलैंड के साथ संभावित एकीकरण का प्रश्न समय-समय पर राजनीतिक विमर्श में लौटता रहता है। सितंबर 2026 में इन तीनों क्षेत्रों के नेताओं की संयुक्त संवैधानिक पहल इस बदलते राजनीतिक वातावरण का नया संकेत है।

फिर भी यह कहना कि ब्रिटेन का विखंडन अब निश्चित है,

अमेरिकी वर्चस्व थोपने वाला रवैया

समझौता करे या फिर अप्रत्याशित सैन्य बल के प्रहार का सामना करने को तैयार रहे। इस तीखी बयानबाजी के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठकों से इतर अमेरिकी और ईरानी राजनयिकों में संवाद भी जारी रहा।

यह ट्रंप की सौदेबाजी पर केंद्रित कूटनीति को ही उजागर करता है। उन्होंने पश्चिमी गोलार्ध को लेकर भी उतना ही कड़ा रवैया दिखाया। वेनेजुएला, निकोलस मादुरो और तेल संसाधनों के आलोक में जिसकी लाठी, उसकी भैंस सरीखे नजरिये से उन्होंने यही संकेत दिया कि वाशिंगटन अब इस क्षेत्र को ऐसे दायरे के रूप में देख रहा है, जहाँ अमेरिकी वर्चस्व न केवल स्थापित होना चाहिए, बल्कि उसे सख्ती से लागू भी किया जाना चाहिए। उन्होंने बयुबा को एक विफल कम्युनिस्ट देश के रूप में चित्रित किया। मैक्सिको को भी इसी व्यापक सुरक्षा ढांचे के दायरे में रखा।

कुछ समय से ट्रंप की छवि ऐसे व्यक्ति की बन गई है, जो अपनी पीठ स्वयं थपथपाने को लेकर कोई संकोच नहीं करते। संयुक्त राष्ट्र के मंच पर भी उन्होंने यही दोहराया कि एक के बाद एक युद्ध, टकराव और तनाव दूर करने में उनकी कितनी अहम भूमिका रही। इस कड़ी में उन्होंने कंबोडिया-थाईलैंड, कोसोवो-सर्बिया, रवांडा-कांगो, भारत-पाकिस्तान, आर्मेनिया-अजरबैजान और गाजा के विवादों को ऐसे उदाहरणों के रूप में गिनया, जिनका उनके शासनकाल में स्थायी समाधान हुआ या युद्धविराम संभव हो सका। आर्कटिक और ग्रीनलैंड ट्रंप की नई नीति में अंतर्निहित भू-राजनीतिक दृष्टिकोण के सबसे मुखर उदाहरण के रूप में सामने आए। अमेरिका की सैन्य मौजूदगी बढ़ाने और

पुरानी रहती है। आज दो-तिहाई से अधिक जिलों में सूखा-सदृश स्थिति की खबरें हैं और प्रशासन दुकाल के मानकों की समीक्षा कर रहा है। इससे साफ है कि संकट किसी भी व्यापक जल-सुरक्षा से जुड़ा है। इसलिए राहत पैकेज जरूरी है, पर पर्याप्त नहीं। किसानों को तत्काल आर्थिक सहायता के साथ पीने का पानी, पशुओं का चारा, रबी की तैयारी और अगले वर्ष के लिए जल-सुरक्षा चाहिए। वरना हर साल सूखे का नया रिकॉर्ड बनगा और सरकार तैयारी का वही पुराना रिकॉर्ड दोहराती रहेगी। आज की राहत यदि कल की तैयारी नहीं बनती, तो अगला सूखा केवल मौसम की मार नहीं होगा।

अब सवाल फडणवीस के बयान का नहीं, उसके बाद उठने वाले कदम का है। उन्होंने संकट को गंभीर बताया और प्रभावित इलाकों का दौरा भी किया। महाराष्ट्र अब देखेगा कि खेत तक पहुँची सरकारी गाड़ी के साथ राहत भी पहुँचती है या नहीं। क्योंकि सूखा भाषण से नहीं बुझता, फाइलों से नहीं—पानी खेत तक पहुँचे, किसान का नुकसान खाते में दिखे और अगली फसल की उम्मीद लौटे, तभी सूखा कम होगा। 1972 से भयावह सूखा बनाता चेतनावादी है; उसे 1972 से मजबूत तैयारी में बदलना असली परीक्षा। इतिहास यह नहीं छुड़ेगा कि सूखे को किसने सबसे भयावह बताया था; वह छुड़ेगा—जब धरती प्यासी थी, तब पानी को प्राथमिकता किसने दी?

-**प्रो. आरके जैन**

इतिहास और वर्तमान राजनीति दोनों के साथ न्याय नहीं होगा।

किसी संघ का टूटना केवल आर्थिक कठिनाइयों से तय नहीं होता। उसके लिए जनमत, राजनीतिक नेतृत्व, संवैधानिक प्रक्रिया, आर्थिक व्यवहार्यता, मुद्रा, सीमा, रक्षा, व्यापार, सार्वजनिक ऋण, सामाजिक सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय संबंध जैसे अनेक प्रश्नों का समाधान आवश्यक होता है। स्कॉटलैंड के लिए स्वतंत्र देश बनने की स्थिति में इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के बीच व्यापार तथा साझा संस्थाओं का भविष्य क्या होगा, यह अपने आप में एक जटिल प्रश्न होगा। वेल्स के लिए भी यही बात लागू होती है। उत्तरी आयरलैंड के मामले में तो ब्रिटेन और आयरलैंड दोनों की संवैधानिक व्यवस्थाएँ सीधे जुड़ जाती हैं।

ब्रिटेन के सामने इसलिए दो समानांतर चुनौतियाँ हैं आर्थिक पुनरुत्थान और राजनीतिक संघ को बनाए रखने की चुनौती। यदि आर्थिक असमानता, क्षेत्रीय असंतोष, सार्वजनिक सेवाओं का दबाव और राजनीतिक अविश्वास बढ़ते हैं तो संवैधानिक प्रश्नों को नई ऊर्जा मिल सकती है। दूसरी ओर यदि आर्थिक स्थिति में सुधार होता है, क्षेत्रीय सरकारों को पर्याप्त अधिकार मिलते हैं औ वेस्टमिंस्टर दिवालद गवर्नमेंट के बीच संबंध अधिक सहयोगात्मक होते हैं, तो संघ को बनाए रखने की संभावनाएँ भी मजबूत हो सकती हैं।

इतिहास में साम्राज्य बने और टूटे हैं। राजनीतिक सीमाएँ स्थायी नहीं होतीं, लेकिन उनका परिवर्तन भी अचानक नहीं होता। ब्रिटेन का वर्तमान संकट इसलिए केवल «विखंडन» की कहानी नहीं है; यह उस पुराने केंद्रीकृत शासन-मॉडल और नई क्षेत्रीय आकांक्षाओं के बीच चल रहे संघर्ष की कहानी है। आज का यूनाइटेड किंगडम पहले जैसा राजनीतिक रूप से एकरूप नहीं है। लेकिन इससे यह निष्कर्ष निकालना कि उसका विघटन निश्चित हो चुका है, अभी प्रमाणित तथ्य नहीं है।

सच्चाई शायद इस समय इन दो अंतियों के बीच है। ब्रिटेन टूटने की स्थिति में नहीं कहा जा सकता, लेकिन ब्रिटेन के भीतर संघीय ढांचे और संवैधानिक भविष्य को लेकर गंभीर प्रश्न अवश्य खड़े हो चुके हैं। स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड में अलग-अलग प्रकार की राष्ट्रीय और क्षेत्रीय आकांक्षाएँ मौजूद हैं। आर्थिक बदलाव इन प्रश्नों को राजनीतिक ऊर्जा दे सकते हैं, किंतु अंतिम निर्णय जनता, संसदों और निर्धारित संवैधानिक प्रक्रियाओं से ही होगा।

जिस ग्रेट ब्रिटेन ने कभी विश्व को अपने साम्राज्य की शक्ति दिखाई थी, उसके सामने आज इतिहास का एक अलग प्रश्न खड़ा है क्या वह अपनी ही बहुगर्ष्टीय संरचना को बदलती राजनीतिक आकांक्षाओं के साथ सामंजस्य में रख पाएगा? आने वाले वर्षों में इसका उत्तर केवल लंदन की सत्ता नहीं देगी। उत्तर एंडिनस, कार्डिफ और बेल्फास्ट की राजनीतिक इच्छाशक्ति और वहां के नागरिकों के लोकतांत्रिक निर्णयों से भी निकलेगा। इसलिए आज ब्रिटेन के बारे में सबसे सटीक निष्कर्ष यह नहीं कि उसका विखंडन «तय» है, बल्कि यह है कि यूनाइटेड किंगडम की एकता अब पहले की तरह निर्विवाद नहीं रही और उसके संवैधानिक भविष्य पर बहस निर्णायक दौर में प्रवेश कर चुकी है।

-**संजीव ठाकुर**

डेनमार्क एवं ग्रीनलैंड के साथ नए सुरक्षा समझौतों पर ट्रंप का आग्रह आर्कटिक की बढ़ती सामरिक अहमियत का परिचायक रहा।

स्पष्ट है कि अमेरिका के लिए यह क्षेत्र अब एक सीमांत परिधि से परे वृहद-शक्ति प्रतिस्पर्धा, समुद्री आवाजाही, संवेदनशील अवसरेंचना और उत्तरी अमेरिका की संप्रभु रक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है।

ट्रंप का संबोधन शीतयुद्ध के बाद आकार लेने वाली वैश्विक व्यवस्था की स्थापित मान्यताओं पर एक तीखा प्रहार भी था। वे संयुक्त राष्ट्र को ऐसी संस्था मानते हैं, जो कट्टर वामपंथी एजेंडे के चंगुल में फंसी हुई है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय शराकाओं और साझा नियामक ढांचे थोपने से जुड़ी कोशिशों को भी आड़े हाथों लिया। वैश्विक कार्बन टेक्स का विरोध और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई पर अंतरराष्ट्रीय पाबंदियों को सिरे से खारिज करना उनकी उसी नीति को ही दर्शाता है कि ऐसे सभी मामलों में निर्णयण को लेकर वाशिंगटन की पूर्ण स्वतंत्रता अधूण रहनी चाहिए, जिन्हें अमेरिका अपनी राष्ट्रीय शक्ति की धुरी मानता है। मानवाधिकार परिषद और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय पर ट्रंप के तीखे हमलों ने भी यह साफ कर दिया कि वे ऐसी संस्थाओं के प्रभाव एवं अधिकार को किस रद्द तक अस्वीकार करते हैं। उनके संबोधन में तेल संसाधनों, विवादों के समाधान और ड्रा कंटेंट्स पर नकेल कसने संबंधी कई दावे सहैहस्यद भी रहे। आखिर किसी संघर्ष के समाप्त होने का एलान करने और एक स्थायी राजनीतिक समाधान निकालने के बीच का फर्क समझना बखूब जरूरी है।

-**धनंजय राजौरा**

मुख्यमंत्री ने देवास के पुंजापुरा में बाइक यात्रियों के साथ सुना प्रधानमंत्री का उद्घोधन

बाइक यात्री दीपेश गोटी ने साझा किए अनुभव; प्रधानमंत्री बोले- मध्यप्रदेश का मिजाज भी बदल रहा है

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ‘सेवा संकल्प अभियान’ के अंतर्गत गुजरात के वडनगर से उत्तर प्रदेश के वाराणसी तक विशेष बाइक यात्रा निकाली जा रही है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने यात्रा में शामिल बाइक राइडर्स से अलग-अलग स्थानों से वर्युअली जुड़कर संवाद किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम में देवास जिले के बागली विकासखंड स्थित ग्राम पुंजापुरा में उपस्थित होकर सेवा संकल्प बाइक यात्रियों के साथ प्रधानमंत्री श्री मोदी का उद्घोधन सुना। ग्राम पुंजापुरा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेवा संकल्प बाइक यात्रा के बाइकर श्री दीपेश गोटी से आत्मीय संवाद किया और यात्रा के



खड़े-मीठे अनुभवों के बारे में जानकारी ली। संवाद के दौरान शाजापुर के निवासी एवं कपड़ा व्यापारी गोटी ने बताया कि 17 सितंबर को वडनगर से प्रारंभ हुई इस यात्रा के माध्यम से उन्हें न केवल बहुत कुछ सीखने को मिला, बल्कि जगह-जगह

स्वच्छता तथा सघन पौधरोपण जैसे सेवा कार्य करने का सुअवसर भी प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि इस यात्रा के दौरान अन्य राज्यों के युवाओं से विभिन्न भाषाएं सीखने और उनकी समृद्ध संस्कृति से रूबरू होने का मौका मिल रहा है। जब प्रधानमंत्री मोदी ने पूछा कि सेवा कार्यों के दौरान आमजन का जुड़ाव किस प्रकार हो रहा है, तब दीपेश गोटी ने अवगत कराया कि यात्रा मार्ग में ग्रामीण, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग स्वतः ही जुड़ते जा रहे हैं। उन्होंने एक भावुक संस्मरण साझा करते हुए बताया कि रास्ते में प्रधामंत्री आवास योजना की एक बुजुर्ग महिला हितग्राही से

भेंट हुई, जिनका पक्का मकान बन चुका था। महिला ने अत्यधिक प्रसन्न होकर उन्हें अपने घर भोजन पर आमंत्रित किया तथा प्रधानमंत्री जी को हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करते हुए ढेरों आशीर्वाद दिए। इसके नागरिकों को संगठित करने के लिए क्लटर्सऐप रूप् बनाए जा रहे हैं, विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को नमो ऐप से जोड़ा जा रहा है और साथ ही दैनिक सेवा कार्यों को साझा कर अन्य लोगों को भी सेवा के लिए प्रेरित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा वडनगर में स्थानीय स्तर पर संपर्क बढ़ाने संबंधी प्रश्न पूछे जाने पर श्री गोटी ने बताया कि वे एक कपड़ा व्यापारी हैं, इसलिए उन्होंने व्यापार विस्तार के उद्देश्य से वहां के स्थानीय व्यापारियों के संपर्क सूत्र भी जुटाए हैं। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह अत्यंत सराहनीय कदम है, क्योंकि अब मध्यप्रदेश का मिजाज भी सकारात्मक रूप से बदल रहा है। प्रदेश के युवा अब गुजराती और मारवाड़ी समुदाय की भांति जहां भी जा रहे हैं, वहां स्वरोजगार और व्यापार के नए अवसरों की तलाश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि मध्यप्रदेश युवा मोर्चा ने इस यात्रा में माय प्रॉमिस टू मोदी जी का अनूठा नवाचार किया है, जिसके तहत 25 सेवा कार्यों की सूची में से प्रत्येक सेवा यात्री को किसी एक सेवा का संकल्प दिलाया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में सांसद श्री विष्णु दत्त शर्मा ने कार्यक्रम के लिए आभार प्रदर्शन किया।

सेवा संकल्प बाइक यात्रा 17 सितंबर को वडनगर से वाराणसी के बीच निकाली जा रही है, जिसमें 250 बाइकों पर 500 सेवा यात्री सवार होकर विभिन्न राज्यों के अनेक जिलों व गांवों से गुजरते हुए वाराणसी पहुंचेंगे।

शाजापुर में एनएसएस का 57वां स्थापना दिवस मनाया



शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। बीकेएसएन शासकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई ने अपना 57वां स्थापना दिवस मनाया। इस दौरान उत्साह और गरिमापूर्ण माहौल रहा। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती और स्वामी विवेकानंद के चित्रों पर पूजन से हुई। इसके बाद सरस्वती वंदना और सामूहिक एनएसएस लक्ष्य गीत गाया गया। अतिथियों का तिलक लगाकर और एनएसएस बैज लगाकर स्वागत किया गया।

स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, कविता पाठ किया और प्रेरक गीत गाए। इनके जरिए सेवा और समर्पण का संदेश दिया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एसके तिवारी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम का एनएसएस स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व का विकास करता है और उनमें समाज के प्रति जिम्मेदारी व राष्ट्रसेवा की भावना जगाता है। एनएसएस प्रभारी डॉ. अर्चना वर्मा ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने एनएसएस के उद्देश्यों और महत्व के बारे में बताया। इस मौके पर वर्ष भर की दैनिक गतिविधियों में सक्रिय रहने वाले स्वयंसेवकों को सम्मानित किया गया। एनएसएस पंजीयन अभियान, मां राजेश्वरी मेले में सेवा कार्य और जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस व स्वतंत्रता दिवस परेड में हिस्सा लेने वाले स्वयंसेवकों का भी सम्मान हुआ। स्वयंसेविका लक्ष्मी पुण्ड को विशेष सम्मान दिया गया। उन्होंने अपने पिता के साथ नई दिल्ली में हुए गणतंत्र दिवस समारोह- 2026 में विशेष अतिथि स्वयंसेवक के तौर पर हिस्सा लिया था। इससे उन्होंने महाविद्यालय और शाजापुर का नाम रोशन किया। कार्यक्रम में डॉ. दिनेश निगवाल, डॉ. बीएल मालवीय, डॉ. प्रवीण सोनी, डॉ. श्वेता चौहान समेत कई प्राध्यापक, स्वयंसेवक उपस्थित थे।

शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज देवास ने शासकीय चिमनाबाई एवं शासकीय राधाबाई स्कूल की छात्राओं का कराया औद्योगिक भ्रमण

औद्योगिक भ्रमण के माध्यम से छात्राओं में नवाचार एवं तकनीकी सोच विकसित करने की पहल

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, देवास द्वारा शासकीय राधाबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, देवास एवं शासकीय महारणी चिमनाबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवास की कक्षा 12वीं की 50 छात्राओं के लिए औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया। औद्योगिक भ्रमण के दौरान छात्राओं ने कंपनी में विभिन्न औद्योगिक प्रक्रियाओं, मशीनों एवं तकनीकी कार्यों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। उद्योग के विशेषज्ञों द्वारा छात्राओं को औद्योगिक कार्यप्रणाली एवं तकनीकी क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों की जानकारी भी दी गई। छात्राओं ने उत्पादपूर्वक विभिन्न गतिविधियों को देखा तथा तकनीकी विषयों से संबंधित प्रश्न पूछे। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित यह औद्योगिक भ्रमण छात्राओं के लिए एक प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक अनुभव रहा तथा उन्हें भविष्य में तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।



तथा शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज देवास के प्राचार्य के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थी छात्राओं को उद्योगों में उपयोग होने वाली आधुनिक

तकनीक, कार्यप्रणाली एवं विभिन्न तकनीकी प्रक्रियाओं से परिचित करना तथा उन्हें पारंपरिक अध्ययन से आगे बढ़कर व्यावहारिक एवं नवाचार आधारित सोच के लिए प्रेरित करना है।

सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य जनसेवा, जनभागीदारी, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी प्रचार-प्रसार, पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्रदान करना, स्वच्छता एवं सामाजिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना, तथा सेवा एवं विकसित भारत के संकल्प से आधिकारिक नागरिकों को जोड़ना है। जिस कड़ी में युवाओं, विद्यार्थियों को जोड़ते हुए नवाचार आधारित गतिविधियां आयोजित की गई एवं औद्योगिक भ्रमण के माध्यम से स्कूलों की छात्राओं को नवाचार, कौशल विकास एवं उद्योग आधारित ज्ञान उपलब्ध कराया गया।

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। 14 सितंबर से शुरू हुआ गणेशोत्सव नगर में धूमधाम से मनाया गया। कहीं प्रतिभा को निखरने का मौका मिला तो कहीं पर 10 दिनों तक बप्पा की विशेष आराधना की गई। तो कहीं बच्चों ने अपने अंदर की छुपी प्रतिभा का गणेशोत्सव के माध्यम से लोगों से परिचय कराया। इसी उत्सव और उत्साह का आज समापन होगा और बप्पा को श्रद्धालू भारी मन से विदाई देंगे।

बप्पा को आराधना के पर्व गणेशोत्सव का शुक्रवार को समापन होगा और श्रद्धालू अपने आराध्य गणपति बप्पा को भारी मन से विदाई देंगे और अगले बरस जल्दी आने की कामना करेंगे। इस दौरान नगर में एक बार फिर बप्पा की भुक्ति के आयोजन नगर में होंगे और गणेशोत्सव समितियों द्वारा चल समारोह निकाले जाएंगे। इसके बाद बप्पा को श्रद्धालू निर्धारित स्थानों पर विधि-विधान से विर्सजित कर अगले बरस जल्दी आने की कामना से विदाई देंगे।

जादमी बैराज पर होगा प्रतिमाओं का विसर्जन- कलेक्टर ऋतु बाफना ने जिले के सभी नागरिकों से अनुरोध किया है कि गणेश प्रतिमाओं



का विसर्जन जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित विसर्जन स्थलों पर ही करें। इन स्थलों पर जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के साथ आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। कलेक्टर के निर्देश पर शाजापुर जिले में गणपति प्रतिमाओं के लिए विसर्जन स्थलों का निर्धारण किया गया है। जिसके अनुसार शाजापुर अनुभाग अंतर्गत थाना लालघाटी

मोटे अनाजों के महत्व का दिया संदेश, त्यंजन प्रतियोगिता में महिलाओं ने लिया हिस्सा



देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 9वें राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत परियोजना शहरी देवास के सेक्टर इटावा में पोषण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम परियोजना अधिकारी एम.एल. अहिरवार एवं पर्यवेक्षक श्रीमती ज्योति गोयल के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। इस दौरान महिलाओं के लिए मोटे अनाजों से तैयार किए जाने वाले विभिन्न व्यंजनों की प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी एम.एल. अहिरवार ने मोटे अनाजों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारे दैनिक भोजन में मोटे अनाजों को शामिल करना स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। उन्होंने महिलाओं को पौष्टिक एवं संतुलित आहार के प्रति जागरूक किया। पर्यवेक्षक श्रीमती ज्योति गोयल ने मोटे अनाजों से तैयार होने वाले विभिन्न पौष्टिक व्यंजनों की जानकारी दी तथा इनके उपयोग और स्वास्थ्य लाभों के बारे में बताया। व्यंजन प्रतियोगिता में वार्ड की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए मोटे अनाजों से विभिन्न प्रकार के व्यंजन तैयार किए। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सेक्टर इटावा की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहयोगियों ने सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रोशनी बेहरे ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

मोहसिन ने की थी फेसबुक पर पाकिस्तान जिंदाबाद की पोस्ट



शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। फेसबुक पर पाकिस्तान जिंदाबाद लिखकर पोस्ट करने और हिंदू देवी-देवताओं के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में कोर्ट ने ज्योतिनगर निवासी

आरोपी मोहसिन को दो वर्ष के कारावास से दंडित किया है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने आरोपी को आईपीसी की धारा 153 में दो साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। धारा 505 और आईटी एक्ट की धारा 67 में भी एक-एक साल की सजा दी गई है। आरोपी को शाजापुर जिला जेल भेज दिया गया। जिला अभियोजन अधिकारी महेंद्र परमार ने बताया कि 16 फरवरी 2019 को रोहित राठौर ने शाजापुर कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि आरोपी की फेसबुक आईडी पर एक पोस्ट दिखाई दी जिसमें पाकिस्तान जिंदाबाद लिखा था और आर्षिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। शिकायत के आधार पर ज्योति नगर शाजापुर निवासी मोहसिन पिता मुबारिक के खिलाफ आईपीसी की धारा 153, 505 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67 के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट पेश की। कोर्ट ने आरोपी की अपील खारिज करते हुए धारा 153 के अपराध में दो साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। वहीं, धारा 505 और आईटी एक्ट की धारा 67 के तहत एक-एक साल का कठोर कारावास दिया गया। वहीं कोर्ट ने फैसले में पोस्ट में महिलाओं के प्रति नफरत और आपत्तिजनक शब्दों के इस्तेमाल का उल्लेख किया। फैसले में हिंदू देवी-देवताओं के अपमान से जुड़ी सामग्री का भी जिक्र किया गया। अभियोजन पक्ष के मुताबिक ऐसी सामग्री अलग-अलग समुदायों के बीच नफरत और दुश्मनी बढ़ाने वाली थी।

गणेश उत्सव पंडालों का निरीक्षण करने अकोदिया पहुंची एसपी प्रियंका शुक्ला

विसर्जन के दौरान बच्चों को रखें दूर, केवल पांच लोग ही करें प्रतिमा का विसर्जन – एसपी

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गणेश चतुर्थी पर्व को लेकर शाजापुर जिला पुलिस अधीक्षक श्रीमती प्रियंका शुक्ला ने बुधवार को जिले के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर गणेश उत्सव की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसी क्रम में वे अकोदिया नगर पहुंचीं, जहां उन्होंने सदर बाजार स्थित प्रसिद्ध लालबाग के राजा की झंकी सहित नगर के विभिन्न गणेश उत्सव समितियों के पंडालों का निरीक्षण किया।

इस दौरान एसपी प्रियंका शुक्ला ने गणेश उत्सव समितियों के सदस्यों से मुलाकात कर आयोजन की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने समिति सदस्यों से शासन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करते हुए शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से गणेश उत्सव मनाने की अपील की।

एसपी ने विशेष रूप से गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का ध्यान रखने की बात कही। उन्होंने कहा कि विसर्जन के समय बच्चों



को प्रतिमा एवं जलाशय से पर्याप्त दूरी पर रखें तथा प्रतिमा विसर्जन के लिए केवल पांच लोग ही जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि आरती से लेकर प्रतिदिन होने वाले कार्यक्रमों तक समयबद्ध एवं सुचारु व्यवस्था बनाए रखें।

उन्होंने कहा कि गणेश उत्सव के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। थाना प्रभारी एवं पुलिस बल लगातार क्षेत्र में निगरानी कर रहे हैं तथा प्रशासन भी

व्यवस्थाओं पर नजर बनाए हुए है।

एसपी ने गणेश उत्सव समितियों से अपील करते हुए कहा कि रात्रि में होने वाले आयोजनों के दौरान यदि कोई अज्ञात व्यक्ति, संदिग्ध व्यक्ति अथवा असामाजिक गतिविधियों में लिप्त व्यक्ति नजर आता है तो तत्काल पुलिस को सूचना दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

इस दौरान नगर के पत्रकार साथी भी मौजूद रहे। एसपी के अकोदिया भ्रमण के दौरान पुलिस एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर विभिन्न विषयों पर भी चर्चा हुई।

गौरलम्ब है कि गणेश चतुर्थी के अवसर पर अकोदिया सहित जिलेभर में विभिन्न स्थानों पर गणेश प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं और पुलिस द्वारा पंडालों एवं आयोजनों की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया जा रहा है। शाजापुर पुलिस द्वारा गणेश पंडालों में सीसीटीवी, भीड़ प्रबंधन, यातायात, पार्किंग, बिजली एवं अग्नि सुरक्षा जैसी व्यवस्थाओं पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

आज गूजंगा एक साथ ‘नमामि भारतम् का राष्ट्र स्वर, सविमं दुपाड़ा मार्ग पर होगा आयोजन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। 19 सितम्बर 2026 को भारत की राष्ट्रीय चेतना, स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा और मातृभूमि के प्रति श्रद्धा के अमर गीत ‘वन्दे मातरम्’ के 150 वें वर्ष के उपलक्ष्य में और विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान नई दिल्ली के मार्गदर्शन में देशव्यापी सामूहिक गायन कार्यक्रम ‘नमामि भारतम्’ का आयोजन किया जा रहा है।

इसी के तहत दुपाड़ा मार्ग स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में भी कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। जिसमें बड़ी संख्या में आमजन सम्मिलित होंगे। इस ऐतिहासिक आयोजन के अंतर्गत 25 सितम्बर शुक्रवार को प्रातः 11 बजे देश के 25 हजार से अधिक स्थानों पर एक करोड़ से अधिक विद्यार्थी, शिक्षक, अभिभावक तथा समाज के विभिन्न वर्गों के नागरिक एक समय, एक स्वर और एक लय में सम्पूर्ण ‘वन्दे मातरम् का सामूहिक गायन करेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल सामूहिक गायन तक सीमित न होकर नई पीढ़ी को ‘वन्दे मातरम् की ऐतिहासिक यात्रा, उसके राष्ट्रीय महत्व और स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणादायी विरासत से जोड़ना है।

‘एक स्वर -एक संकल्प एक भारत’ - नमामि भारतम्’ के माध्यम से देश के विद्यालयों, शिक्षण संस्थानों और सामाजिक सहभागिता के केंद्रों को एक सूत्र में जोड़ते हुए राष्ट्रभाव, मातृभूमि के प्रति श्रद्धा, सांस्कृतिक एकात्मता और राष्ट्रीय चेतना को अभिवृद्ध किया जाएगा। विद्या भारती से जुड़े विद्यालयों एवं अन्य संस्थानों के कार्यक्रमों में विद्यार्थी, शिक्षक, अभिभावक और स्थानीय समाज के नागरिक भी सहभागी होंगे। विभिन्न स्थानों पर सामूहिक गायन के साथ वन्दे मातरम् की ऐतिहासिक यात्रा पर आधारित परिचर्चा, प्रदर्शनी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां तथा विद्यार्थियों की सहभागिता से जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित किए जा जायेंगे। ‘नमामि भारतम्’ का प्रमुख उद्देश्य यह है कि आज का विद्यार्थी ‘वन्दे मातरम्’ को केवल एक गीत के रूप में न जाने, बल्कि उसके पीछे निहित स्वतंत्रता, आत्म सम्मान, मातृभूमि-प्रेम, त्याग, एकता और राष्ट्रीय चेतना के इतिहास को भी समझे।

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति बागली ,जिला देवास (म.प्र.)

क्रं./मंडी/बीओटी/2026-27 / 212

बागली ,दिनांक :- 23.09.2026

// तृतीय निविदा आमंत्रण सूचना //

कृषि उपज मण्डी समिति बागली द्वारा ई-बिडिंग/टेण्डर कम ऑक्शन प्रणाली के माध्यम से स्वयं के व्यय पर बिल्ट आपरेट एण्ड ट्रांसफर (बी.ओ.टी) आधार पर तौलाकांटा स्थापना एवं संचालन हेतु वार्षिक प्रीमियम के आधार पर दिनांक 25.09.2026 से 09.10.2026 को 5.30 pm तक ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी ऑनलाईन पोर्टल <http://mptenders.gov.in> पर प्राप्त की जा सकती है। स्थापित किये जाने वाले तौलकांटा हेतु विवरण अग्रलिखित अनुसार है:-

सिस्टम टेण्डर क्र0	इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटा स्थापना का स्थान	तौलकांटे की क्षमता	न्यूनतम वार्षिक प्रीमियम (राशि ₹0)	घरोहर राशि ₹0	निविदा प्रपत्र की कीमत
2026 MPSAM_538102_1	मुख्यमण्डी प्रांगण बागली	10 मेट्रन	25000/-	72000/-	5000/-

नोट:- निविदा के सभी संशोधन ऑनलाईन पोर्टल <http://mptenders.gov.in> पर प्रकाशित की जायेगी।

सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति
बागली,जिला देवास (म.प्र.)

भारसाधक अधिकारी
कृषि उपज मण्डी समिति
बागली,जिला देवास (म.प्र.)

तप, संयम और साधना की अनूठी मिसाल

संथारा आराधिका चंदनबाला चोरड़िया का समाधिपूर्वक देवलोकगमन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सांसारिक मोह-माया, देह की आसक्ति और मृत्यु के भय पर विजय प्राप्त करते हुए, भगवान महावीर के वीतराग मार्ग पर चलने वाली धर्मनिष्ठ श्राविका पूज्य श्रीमती चंदनबाला जी चोरड़िया काछीबड़ोदा वाले ने समाधिपूर्वक संथारा साधना पूर्ण कर देवलोक गमन किया है। जैन परंपरा में जिसे मृत्यु महोत्सव कहा जाता है, उस परम पवित्र एवं दुर्लभ साधना को अंगीकार कर उन्होंने अपनी आत्मा को सद्गति और मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर किया। उनके इस देवलोकगमन से संपूर्ण जैन समाज में गहरा बहुमान, गौरव और धर्म के प्रति अगाध श्रद्धा का संचार हुआ है। चंदनबाला चोरड़िया स्वर्गीय केसरीमल चोरड़िया की धर्मपत्नी थीं वे पारसमल एवं स्वर्गीय शांतिलाल चोरड़िया की पूज्य माताजी,

आपदा मित्र 7 दिवसीय प्रशिक्षण, का द्वितीय सत्र संपन्न



अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशानुसार युवा आपदा मित्र योजना के तहत जिला आपदा प्रबंधन तथा होमगार्ड नागरिक सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन के तहत नामांकित 125 आपदा मित्रों का 7 दिवसीय प्रशिक्षण का द्वितीय सत्र एक निजी गार्डन में आयोजित किया गया जिला होमगार्ड कमान्डर आगर ने बताया कि इस प्रशिक्षण में जिले के 125 नामांकित एवं चयनित आपदा मित्रों को प्रशिक्षण दिया गया। कलेक्टर के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रविन्द्र कुमार बोयट के मुख्य आतिथ्य में एवं विक्रम बी. सिंह डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट एवं नोडल अधिकारी आपदा प्रबंधन की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री रविन्द्र कुमार बोयट ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया । डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट विक्रम सिंह ने अतिथियों का पुष्पहारों से स्वागत किया। उन्होंने 7 दिवसीय कार्यशाला के उद्देश्य एवं आपदा प्रबंधन अधिनियम एवं आपदा मित्रों की आवश्यकता एवं जवाबदेही आपदा के समय उनके द्वारा किये जाने वाले कार्यों के बारे में सक्षिप्त में बताया । इस प्रशिक्षण में समस्त प्रकार की आपदाओं, दुर्घटना से बचाव एवं तकनीकी विषय पर डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट विक्रम बी. सिंह, कंपनी कमाण्डर कमलेश हाडा आदी।

कोद में 30 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शुरू, तीन एमबीबीएस डॉक्टरों की नियुक्ति



बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम कोद में 30 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का गुरुवार को विधिवत संचालन शुरू हो गया। तीन एमबीबीएस डॉक्टरों की नियुक्ति के बाद विधि विधान से मंत्रोच्चार के साथ गणेश पूजन कर केंद्र का शुभारंभ किया गया। अस्पताल शुरू होने से कोद सहित आसपास के करीब 20 से 25 गांवों के ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी। जिला पंचायत सदस्य विक्रम पटेल, भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष ईश्वर कटारा, जनपद सदस्य प्रीतेशप्रतापसिंह राठौर, भाजपा मंडल अध्यक्ष संतोष ढोलकिया, सरपंच दिनेश मकवाना, उपसरपंच संतोष लिमिडिया, शंकरसिंह राठौर, रिंकु सोनी, देवेन्द्र जोशी के आतिथ्य में डॉक्टरों ने प्रवेश कर अस्पताल का संचालन शुरू किया।कार्यक्रम का संचालन बिड़वाल मंडल अध्यक्ष संतोष ढोलकिया ने किया। आभार ग्राम पंचायत सचिव जीवनसिंह डेडिया ने माना। कोद में पहले 6 बिस्तरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित था, जिसे उज्जयन नर 30 बिस्तरीय सीएचसी बनाया गया है। करीब 7 करोड़ 38 लाख रुपए की लागत से अस्पताल भवन का निर्माण हुआ है। करीब एक वर्ष पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर व पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव ने भवन का लोकार्पण किया था। डॉक्टरों और आवश्यक स्टाफ की नियुक्ति के बाद अब इसका निर्मित संचालन शुरू हो सका है। वर्तमान में केंद्र पर डॉ. प्रवेश मेहता, डॉ. सत्यम शर्मा और डॉ. प्रियंका मंडलोई की एमबीबीएस डॉक्टर के रूप में नियुक्ति हुई है। फिलहाल पांच कर्मचारियों का स्टाफ उपलब्ध है। आने वाले दिनों में आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त चिकित्सक और स्टाफ की नियुक्ति की मांग की जा रही है। शुभारंभ अवसर पर भगवान गणेश का पूजन किया गया। इसके बाद नवनिर्गुह चिकित्सकों का जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने स्वागत किया। सीएचसी शुरू होने से ग्रामीणों को उपचार के लिए दूर-दराज के अस्पतालों में जाने की परेशानी कम होगी। जल्द और डॉक्टर व संसाधन मिलेंगे- पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव ने चर्चा में कहा कि कोद के अस्पताल में आगामी दिनों में और चिकित्सकों की नियुक्ति की जाएगी। साथ ही आवश्यक संसाधन भी उपलब्ध कर आए जाएंगे। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री से कानवन, बिड़वाल व बदनावर के सिविल अस्पताल में पर्याप्त विशेषज्ञ चिकित्सकों व स्टाफ नियुक्ति को लेकर भी चर्चा की है।क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रयास जारी हैं।



पूज्य महासती श्री मधुबालाजी म.सा. आदि गण एवं पूज्य श्री ब्राह्म्यी श्री जी म.सा. आदि ठाणा के पावन सानिध्य में मंगलवार, 22 सितंबर 2026 को सार्य लगभग 5-45 बजे चंदनबाला चोरड़िया को समाधिपूर्वक पूर्ण संथारा प्रत्याख्यान करवाया गया था। नवकार महामंत्र के सतत जाप, वीतराग वाणी के श्रवण और पूर्ण समता

भाव के साथ उन्होंने संथारा आराधना को पूर्ण किया और उसी रात्रि लगभग 9-00 बजे शांत भाव से समाधिपूर्वक देह त्याग कर देवलोक गमन किया।

देवलोकगमन के पश्चात, बुधवार, 23 सितंबर 2026 को उनके निज निवास स्थान से अंतिम डोल यात्रा निकाली गई। इस डोल यात्रा में बड़ी संख्या में

जैन समाजजन, धार्मिक श्रद्धालु एवं नगर के गणमान्य नागरिकों ने सम्मिलित होकर चोरड़िया को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की और आत्म विदाई दी। जैन दर्शन में संथारा (संस्लेखना) कोई साधारण मृत्यु नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि और समाधिमरण की सर्वोच्च साधना मानी जाती है। मनुष्य मृत्यु के नाम से

भयभीत होता है, लेकिन संथारा यह सिखाता है कि आत्म-ज्ञान और प्रभु-स्मरण के सहारे मृत्यु को भी एक उत्सव और मंगलकारी मोड़ बनाया जा सकता है। जब शरीर वृद्धावस्था या असाध्य स्थिति के कारण धर्म-साधना में असमर्थ होने लगता है, तब साधक गुरु भगवतों के मार्गदर्शन में स्वेच्छ से राग-द्वेष, मोह-माया और अन्न-जल का त्याग कर समता भाव धारण करता है। ज्ञात हो आत्महत्या से पूर्णतः भिन्न है संथारा। आत्महत्या निराशा, क्रोध या डर में की जाती है, जबकि संथारा पूर्ण ज्ञान, गुरु-आज्ञा, असीम धैर्य और आध्यात्मिक जागृति के साथ अंगीकार किया जाने वाला आत्म-साधना का पथ है। चंदनबाला चोरड़िया का यह समाधिमरण भावी पीढ़ी को यह संदेश देता है कि धर्म केवल सिद्धांतों में नहीं, बल्कि आचरण और जीवन के अंतिम क्षणों तक आत्म-कल्याण की राह पर चलने में निहित है।

बदनावर में 20 अक्टूबर को धूमधाम से मनेगा 27वां दशहरा उत्सव

71 फीट ऊंचे रावण का होगा दहन, चंद्रभान मित्र मंडल की बैठक में बनी रणनीति

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी विजयादशमी पर्व को भव्य एवं गरिमामय रूप से मनाने को लेकर बुधवार, 23 सितंबर 2026 को चंद्र कलश गार्डन में चंद्रभान मित्र मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पोप सिंह राठौर (पप्पी बन्ना) ने की। इसमें मंडल द्वारा आयोजित किए जाने वाले 27वें दशहरा उत्सव की रूपरेखा,

तैयारियों एवं व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से मंथन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 20 अक्टूबर 2026 मंगलवार को शासकीय कॉलेज एवं मां एकवीरा रोड स्थित दशहरा मैदान पर भव्य दशहरा उत्सव आयोजित किया जाएगा। इस बार आयोजन का

मुख्य आकर्षण 71 फीट ऊंचा रावण का विशाल पुतला रहेगा, जिसे बदनावर के प्रसिद्ध कलाकार शहीद पेंटर द्वारा तैयार किए जाने का प्रस्ताव पारित किया गया। रावण दहन के दौरान आकर्षक एवं भव्य आतिशबाजी भी की जाएगी।

आयोजन को सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न रखने में मंडल द्वारा विभिन्न जिम्मेदारियों सौंपी गईं। कार्यक्रम प्रभारी पोप सिंह राठौर (पप्पी बन्ना), मीडिया प्रभारी अनुप जायसवाल, मंच व्यवस्था, लाइट व डेकोरेशन, आतिशबाजी एवं संस्कृतिक कार्यक्रमों के संचालन हेतु 7 सदस्यीय टीम का गठन किया गया। वहीं आयोजन के

कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि बुआजी ने जिस तरह हर वर्ग और समाज को साथ लेकर आगे बढ़ने का कार्य किया, वह हमेशा याद किया जाएगा। कार्यक्रम में विनोद शर्मा जी, देवेन्द्र बना,बादशाह भाई, निलेश डामर, विजय डिंडेर सहित क्रिसेजजन एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी उपस्थितजनों ने स्वर्गीय जमुना देवी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके बलाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

आयोजन स्थल पर आने वाले श्रद्धालुओं एवं नागरिकों की सुविधा हेतु सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण एवं अनुशासन का विशेष ध्यान रखा जाएगा। आयोजन को सफल बनाने के लिए चंद्रभान मित्र मंडल के सदस्यों ने आवसी समन्वय के साथ अभी से तैयारियां शुरू करने पर सहमति जताई। इस अवसर पर चंद्रभान सिंह सोलंकी, प्रवीण पाटीदार, दिलीप नागौरी, कमल सिंह राठौर सहित चंद्रभान मित्र मंडल के समस्त सदस्य एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नागदा-मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग में चयनित हुई नागदा की बेटी का राजु गुप्ता मित्र मण्डल ने किया सम्मान



नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नागदा नगर के नाम को गौरवित करने वाली नागदा की बेटी श्वेता पिता धर्मेद्र गुप्ता ने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में पूरे मध्य प्रदेश में 19वर्षों रैंक लाकर के असिस्टेंट प्रोफेसर का पद पर चयनित हुई है जिसको लेकर के पूरे नागदा एवं समाज जनों में हर्ष व्याप्त है इसी खुशी के मौके पर राजु गुप्ता मित्र मंडल के द्वारा श्वेता गुप्ता को पुष्प माला एवं उपहार देकर बधाइयां व शुभकामनाएं दीं। श्वेता गुप्ता के पिताजी धर्मेद्र गुप्ता द्वारा कई वर्षों से नगर में शेषशई महाविद्यालय का संचालन करके नगर के कई बच्चों को पढ़ा लिखा कर उन्हें अच्छे स्थानों पर चयनित होने की एक प्रेरणा दी है। श्री गुप्ता व्यवहार के भी काफी धनी एवं सरल स्वभाव के व्यक्ति माने जाते हैं। आज इस अवसर पर नागदा जर्नालिस्ट क्लब के संस्थापक राजेश सकलेचा, क्लब के अध्यक्ष दीपक जैन, क्लब के सचिव दिनेश सोलंकी, महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष जया बघेल, पत्रकार जीवनलाल जेन, दीपक बाथम , राजु गुप्ता सहित अन्य मित्र मंडल मौजूद थे। सभी ने मिलकर के हमारे नागदा नगर की बेटी को बधाइयां एवं शुभ आशीष देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। इसके बाद धर्मेद्र गुप्ता के द्वारा सभी का आभार मानकर धन्यवाद भी प्रेषित किया गया।

जाहिर सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री टीमूलाल प्रजापत, निवासी इन्दिरा कॉलोनी, जूना नागदा रोड, नागदा, जिला उज्जैन (म.प्र.) ने अपने पुत्र श्री राहुल प्रजापत को दिनांक 05.09.2026 से अपने परिवार एवं निवास से पृथक एवं बेदखल घोषित कर दिया है। श्री राहुल प्रजापत संवे समय से अपने पिता एवं परिवार से पृथक रह रहा है। अतः उसके द्वारा स्वयं के नाम से अथवा मेरे पक्षकार/उनके परिवार के नाम, संपत्ति या प्रतिष्ठा का उपयोग कर किया गया कोई भी लेन-देन, उधार, अनुबंध, आश्वासन अथवा अन्य व्यवहार मेरे पक्षकार द्वारा अधिकृत अथवा अनुमोदित नहीं माना जाए, जब तक कि उसके लिए मेरे पक्षकार की स्पष्ट लिखित अनुमति उपलब्ध न हो। मेरे पक्षकार की स्वयं अर्जित एवं व्यक्तिगत स्वामित्वाधीन संपत्तियों के संबंध में भी राहुल प्रजापत को मेरे पक्षकार की अनुमति के बिना किसी प्रकार का कब्जा, हस्तक्षेप अथवा कोई अधिकार/हित सृजित करने का अधिकार नहीं है। श्री राहुल प्रजापत एवं उनकी पत्नी श्रीमती सुस्नान उर्फ ओजस्वी के मध्य चल रहे किसी भी व्यक्तिगत/वैवाहिक विवाद, शिकायत अथवा न्यायिक/याना प्रकरण से मेरे पक्षकार एवं उनके परिवार का कोई संबंध अथवा सरोकार नहीं है। उनके द्वारा स्वतंत्र रूप से किए गए किसी भी व्यवहार अथवा उससे उत्पन्न दायित्व के लिए मेरे पक्षकार अथवा उनका परिवार उत्तरदायी नहीं होंगा। अतः सर्वसाधारण को सावधान किया जाता है कि उक्त व्यक्तियों के साथ मेरे पक्षकार अथवा उनकी संपत्ति/परिवार के नाम पर कोई व्यवहार करने से पूर्व आवश्यक सत्यापन कर लें। मेरे पक्षकार की संपत्ति अथवा परिवार में किसी भी प्रकार का अनधिकृत हस्तक्षेप होने पर उपलब्ध वैधानिक एवं विधिक कार्यवाही करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। यह सूचना मेरे पक्षकार के निर्देशानुसार जनहित एवं सावधानी हेतु प्रकाशित की जा रही है। सौ सूचित होवे। इति दिनांक – 05/09/2026
अभिषेक चौरसिया (हार्डकोर्ट एडवोकेट) न्यायालय परिसर, नागदा जिला उज्जैन (म.प्र.) 456331



मध्यप्रदेश बदल रहा है...

यह बदलाव अब सफर में भी दिखेगा

स्मार्ट, सुविधाजनक, सुरक्षित सफर और समय की बचत,
गांव से शहर तक, घर से काम तक, स्कूल और कॉलेज तक,
सपनों से उनकी मंजिल तक **एक भरोसेमंद सफर...**



मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा

आज शुभारंभ

मुख्य अतिथि

नितिन गडकरी

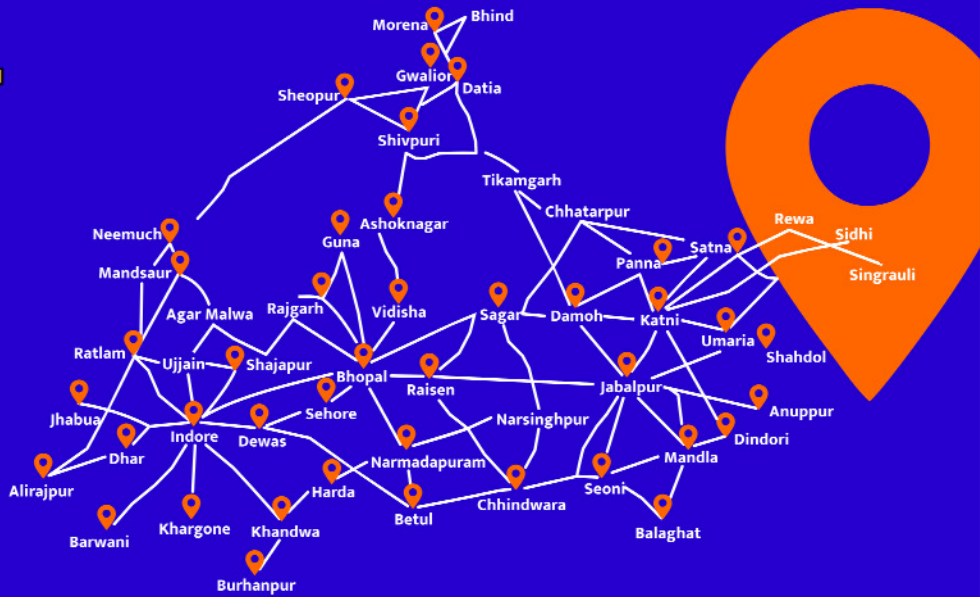
केंद्रीय मंत्री, सड़क परिवहन
एवं राजमार्ग मंत्रालय

पीएम ई-बस सेवा

अध्यक्षता

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश



📍 दशहरा मैदान, बीएचईएल, भोपाल

अंतर-नगरीय एवं अंतर-राज्यीय सेवा

3,500+ मार्गों पर अगले 5 वर्ष में

15,000+ सार्वजनिक परिवहन बसों का चरणबद्ध विस्तार,
छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों तक होगा हर सफर आसान

पूरे प्रदेश में होंगे आधुनिक, सुविधाजनक, बस स्टॉप,
बस टर्मिनल्स एवं निजी बस ऑपरेटर्स हेतु बस डिपो

सम्पूर्ण प्रदेश में बेहतर कनेक्टिविटी नेटवर्क

ऐसा एकीकृत परिवहन तंत्र, जो यात्रा के समय को कम करेगा
और सफर को अधिक सुगम बनाएगा

तकनीक के साथ सुरक्षा, सुविधा और भरोसा

आपात स्थिति में तत्काल सहायता के लिए पैनिक बटन की सुविधा
ड्राइवर मॉनिटरिंग व CCTV कैमरे से स्मार्ट सुरक्षा व्यवस्था
रीयल-टाइम बस ट्रैकिंग, विश्व स्तरीय यात्री सुविधाओं से लैस

पर्यावरण-अनुकूल आधुनिक बसें

EV और CNG बसों को प्राथमिकता

ऑनलाइन टिकटिंग

- UPI • डेबिट/क्रेडिट कार्ड
- NCMC कार्ड • नकद भुगतान



24x7 कस्टमर केयर

यात्री फीडबैक के आधार पर शिकायतों
एवं समस्याओं का त्वरित समाधान